khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

शनिवार – 02 सितम्बर 2023

वर्ष : 02 – अंक : 310

पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रूपये

आरएनआई :

UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

दृष्टिकोण

2 जन्माष्टमी पर गौशालाओं में आयोजित होंगे गौपूजन....

3 छात्राओं ने ट्री मैन पुलिस सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा को ....

5 चौपाल से दो दिन पूर्व गांव में चलाया जाय सफाई ....

40 हजार हेक्टेयर में बसेगा ग्रेटर नोएडा फेज–2, मास्टर प्लान की मंजूरी में अभी कई अड़चनें

नोएडा। ग्रेटर नोएडा फेज-2 के मास्टर प्लान में अभी कई अड़चन हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने मास्टर प्लान की सैद्धांतिक सहमति जरूर दे दी है, लेकिन अभी इसमें काफी काम बाकी है। सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत की जानी है। साथ ही, आमजन के सुझाव एवं आपत्तियां भी ली जानी हैं। इसके बाद ही मास्टर प्लान पर अंतिम मुहर लग सकेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की इसी महीने हुई बोर्ड बैठक में प्राधिकरण के फेज-2 (मास्टर प्लान 2041) मास्टर प्लान को सैद्धांतिक सहमति मिल गई थी। फेज-2 करीब 40 हजार हेक्टेयर में बसाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान में सभी स्टेक होल्डरों से बातचीत होनी है। इसमें सिंचाई विभाग, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वन विभाग, जिला प्रशासन आदि शामिल है। अगर मास्टर प्लान के एरिया कोई नहर, नाला आदि है तो इसकी सही जानकारी सिंचाई विभाग ही देगा। अगर कोई वेटलैंड या अन्य ग्रीनरी है तो इस वन विभाग बताएगा। तालाब, झील, पोखर आदि की जानकारी जिला प्रशासन देगा, इसलिए यह बातचीत जरूरी है। फेज-2 में अधिकांश गांव गौतमबुद्ध नगर जिले के हैं। फेज-2 हापुड़ और बुलंदशहर सीमा तक पहुंच जाएगा। फेज-2 मास्टर प्लान लागू होने से गांवों के विकास का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

मास्टर प्लान तीन साल की देरी से तैयार हो रहा -ग्रेटर नोएडा के फेज-2 मास्टर प्लान की योजना 2007 में बनी थी। लंबे समय तक इस दिशा में कोई काम ही नहीं किया गया। तीन साल पहले ही मास्टर प्लान बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। अब इस दिशा में तेजी आई है। उम्मीद है कि जल्द ही मास्टर प्लान बन जाएगा और उसे लागू किया जाएगा।

अतिक्रमण से परेशानी

मास्टर प्लान में देरी से तमाम दिक्कतें आ गई हैं। फेज-2 में अवैध निर्माण काफी हो गया है। गोदाम, वेयरहाउस, दुकान, स्कूल आदि बन गए। मास्टर प्लान के बाद परियोजनाओं को धरातल में उतारने पर ये निर्माण भी बाधा बन सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि मास्टर प्लान तैयार करके उसे लागू कर दिया जाए।

भाजपा निकालेगी पांच जनआशीर्वाद यात्राएं, नड्डा और केन्द्रीय मंत्रीगण करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश के पांच स्थानों से जनआशीर्वाद यात्राएं निकाल जारी रही है जिनमें पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। इनमें जनता को बताया जाएगा कि केंद्र और राज्य सरकार ने उनके लिए क्या किया है। इन यात्राओं को शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने मंगलवार देरशाम को बताया कि प्रदेश में पांच जन आशीर्वाद यात्राएं विंध्य, महाकौशल, मालवा, ग्वालियर चंबल एवं बुन्देलखण्ड से निकलेंगी। पहली यात्रा विंध्य क्षेत्र के चित्रकूट से तीन सितम्बर को कामतानाथ का आशीर्वाद लेकर शुरू होगी, जिसका शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। यह यात्रा निवाड़ी से होते हुए भोपाल पहुंचेगी।

पहले तीन सितंबर को चित्रकूट से निकलने वाली यात्रा को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रवाना करने वाले थे, लेकिन अपरिहार्य कारणों से अब वे इस कार्यक्रम में नहीं आ रहे हैं। अब उनकी जगह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

जेपी नड्डा 3 सितंबर को चित्रकूट आएंगे और यात्रा का शुभारम्भ करेंगे।

वहीं, दूसरी यात्रा महाकौशल के मंडला से पांच सितंबर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। यह यात्रा जबलपुर होते हुए भोपाल पहुंचेगी, जबकि तीसरी यात्रा इंदौर संभाग के खंडवा से 6 सितंबर को धूनी वाले बाबा का आशीर्वाद लेकर प्रारंभ होगी। इस यात्रा का शुभारंभ केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करेंगे।

अग्रवाल ने बताया कि चौथी यात्रा मालवा के नीमच से 4 सितम्बर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। वहीं, पांचवीं यात्रा ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर से पांच सितम्बर को प्रारंभ होगी, जिसका शुभारंभ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

भारत-चीन सीमा विवाद पर झूठ बोलती है सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज कहा कि भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर मोदी सरकार झूठ बोलती है। राहुल गांधी यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी सीमा में अतिक्रमण किया है। यह बात पूरा लद्दाख जानता है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि लद्दाख में एक इंच भी ज़मीन नहीं गई है। यह झूठ है। पूरा लद्दाख जानता है कि चीन ने अतिक्रमण किया है। राहुल ने कहा कि चीन ने जो मानचित्र जारी किया है, वह गंभीर मामला है। इस पर प्रधानमंत्री को कुछ बोलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि चीन ने हाल ही में अपना नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी की ओर से कल भी आपत्ति जताई गई थी। कल कांग्रेस ने कहा था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से चार दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हुई। उसके बाद भारत सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर सख्त लहजे में चीन से बात की है। इस मुलाकात के बाद अब चीन ने एक नक्शा जारी किया है, जिसमें वह अरुणाचल और अक्साई चिन को अपना हिस्सा बता रहा है। कल कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछा था कि यह कैसा सख्त लहजा है कि चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा?

चंद्रयान-3 के रंभा पेलोड को चांद पर विरल प्लाज्मा मिला

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में प्लाज्मा का पता लगाया है, जो अपेक्षाकृत विरल है। चंद्रयान-3 के लैंडर पर लगे हुए रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हाइपरसेंसिटिव लोनोस्फीयर एंड एटमॉस्फियर- लैंगमुइर प्रोब (रंभा-एलपी) पेलोड ने दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र के ऊपर सतह के निकट चंद्र प्लाज्मा वातावरण का पहली बार माप किया है। प्रारंभिक आकलन से संकेत मिला है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। ये मात्रात्मक माप संभावित रूप से उस शोर को कम करने में सहायता करते हैं जो चंद्र प्लाज्मा रेडियो तरंग संचार के दौरान उत्पन्न होते है।

इसरो ने कहा कि इसके अलावा, वे भविष्य में चंद्र आगंतुकों के लिए उन्नत डिजाइन में योगदान दे सकते हैं। रंभा-एलपी पेलोड एक लैंगमुइर प्रोब है जिसे तिरुवनंतपुरम में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला (एसपीएल) द्वारा विकसित किया गया है।

यह चंद्रयान-3 लैंडर पर लगा है, जो 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरा है। रंभा-एलपी पेलोड को चंद्र प्लाज्मा वातावरण के इन-सीटू माप करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अंतरिक्ष का वह क्षेत्र है जो चंद्रमा की सतह के सबसे समीप है और जहां चंद्र प्लाज्मा सबसे घना है।

रंभा-एलपी पेलोड चंद्र प्लाज्मा वातावरण में इलेक्ट्रॉन घनत्व, तापमान और विद्युत क्षेत्र की माप करेगा। रंभा-एलपी पेलोड के आंकड़ों के प्रारंभिक आकलन से संकेत मिलता है कि चंद्रमा की सतह के पास प्लाज्मा अपेक्षाकृत विरल है। इसका मतलब है कि अंतरिक्ष के इस क्षेत्र में ज्यादा इलेक्ट्रॉन नहीं हैं। चंद्र प्लाज्मा की विरलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उसी तरीके से प्रभावित करता है जिस तरीके से रेडियो तरंगें अंतरिक्ष के माध्यम से फैलती हैं। रम्भा-एलपी पेलोड द्वारा किया गया माप वैज्ञानिकों को चंद्र प्लाज्मा वातावरण को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा। इसरो ने यह भी घोषणा किया कि चंद्रयान-3 इन-सीटू वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि लैंडर पर चंद्र भूकंपीय गतिविधि (आईएलएसए) पेलोड - पहला माइक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) प्रौद्योगिकी- चंद्रमा पर आधारित उपकरण - ने रोवर और अन्य पेलोड गतिविधियों को रिकॉर्ड किया है।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास के घर पर दोस्त की हत्या, पिस्तौल बरामद

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दुबग्गा के बेगरिया में केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद कौशल किशोर के नए मकान में शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव की पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक के सिर में गोली मारी गई है। पिस्टल सांसद के बेटे विकास किशोर की बताई जा रही है। परिजनों ने छह लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची ठाकुरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी राहुल राज सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बेगरिया निवासी विनय श्रीवास्तव (24) भाजपा कार्यकर्ता था। केंद्रीय राज्यमंत्री के बेटे विकास किशोर के साथ रहता था। शुक्रवार की सुबह तड़के 4 बजे विनय के सिर में पिस्टल से गोली मारकर हत्या कर दी गई। शव बेड के पास जमीन पर पड़ा था। मौके पर अजय रावत, अंकित वर्मा, शमीम बाबा, बंटी सहित दो अन्य अज्ञात लोग मौजूद थे। परिजनों ने अजय,अंकित और शमीम पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

कौशल ने पुलिस कमिश्नर को दी सूचना

कौशल किशोर ने घटना की जानकारी पुलिस कमिश्नर को दी जिसके बाद डीसीपी पश्चिमी राहुल राज, एडीसीपी चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसीपी चौक सुनील सिंह, एसीपी काकोरी अनूप सिंह फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल की।

मौके पर पहुंची ठाकुरगंज पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी राहुल राज सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

डीसीपी ने बताया कि तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

घर पर नहीं सांसद का बेटा विकास

सांसद का बेटा विकास कल रात दिल्ली में भर्ती अपनी माँ विधायक जय देवी को देखने चला गया था। विनय सांसद के नये मकान में विकास के साथ ही रहता था। छह लोग कल रात रुके थे। इनके खिलाफ़ ही तहरीर दी गई है। तीन हिरासत में ले लिए गये है।

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम का नाम बदलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लगाई मुहर

अब कहलाएगा पीएम संग्रहालय

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय (एनएमएमएल) का नाम बदलकर प्रधानमंत्री संग्रहालय करने को मंजूरी दे दी है। इसको लेकर शुक्रवार को एक गजट नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है।

14 अगस्त को बदला गया नाम

14 अगस्त को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय का नाम आधिकारिक तौर पर बदल कर प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय सोसाइटी किया गया था। इससे पहले जून में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित के एक बैठक में नेहरू स्मारक संग्रहालय करने के प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी गई थी। अंत में राष्ट्रपति मुर्मू ने भी इसको मंजूरी दे दी है।

पीएम मोदी होंगे अध्यक्ष

केंद्र सरकार ने PMML सोसाइटी का पुनर्गठन किया है। अब इस सोसाइटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। इसके

साथ ही, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल सोसाइटी के सदस्य होंगे। इनके साथ ही, केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन, प्रह्लाद पटेल, आईसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे आदी भी इसके सदस्य होंगे।

एक देश एक चुनाव को लेकर केंद्र ने कमेटी बनाई

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद इसके अध्यक्ष होंगे; संसद के विशेष सत्र में बिल आ सकता है

नई दिल्ली। एक देश एक चुनाव पर केंद्र सरकार ने कमेटी बना दी है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। आज इसका नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। केंद्र सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संभव है कि एक देश एक चुनाव पर सरकार बिल भी ला सकती है।

केंद्र की बनाई कमेटी एक देश एक चुनाव के कानूनी पहलुओं पर गौर करेगी। साथ ही इसके लिए आम लोगों से भी राय लेगी।

इधर, कांग्रेस ने सरकार के फैसले का विरोध किया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आखिर एक देश एक चुनाव की सरकार को अचानक जरूरत क्यों पड़ गई।

सत्र में पांच बैठकें होंगी, पुराने संसद भवन में शुरू होकर नए में खत्म हो सकता है

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, 18 से 22 सितंबर तक दोनों सदनों का विशेष सत्र रहेगा। यह 17वीं लोकसभा का 13वां और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। इसमें 5 बैठकें होंगी। जोशी ने यह भी कहा कि सत्र बुलाने के पीछे कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने जानकारी के साथ पुराने संसद भवन की फोटो शेयर की है। माना जा रहा है कि सत्र पुराने संसद भवन से शुरू और नए में खत्म होगा।

एक साल में संसद के तीन सत्र होते हैं। बजट, मानसून और शीत सत्र। मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चला था। विशेष सत्र बुलाने की घोषणा मानसून सत्र के 3 हफ्ते बाद हुई है। विशेष सत्र मानसून सत्र के 37 दिन बाद होगा। जबकि शीतकालीन सत्र नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होना प्रस्तावित है।

5 दिन का सत्र और 5 संभावनाएं

1. महिलाओं के लिए संसद में एक-तिहाई अतिरिक्त सीट देना।
2. नए संसद भवन में शिफ्टिंग।
3. यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पेश हो सकता है।
4. लोकसभा-विधानसभा चुनाव साथ कराने का बिल आ सकता है।
5. आरक्षण पर प्रावधान संभव। (ओबीसी की केंद्रीय सूची के उप-वर्गीकरण, आरक्षण के असमान वितरण के अध्ययन के लिए 2017 में बने रोहिणी आयोग ने 1 अगस्त को राष्ट्रपति को रिपोर्ट दी है।)

प्रदेश भर में मैपिंग करा कर खोली जाएं सहकारी बैंक की नई शाखाएं– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 'बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान–2023' का शुभारम्भ किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सहकार से समृद्धि की ओर' ध्येय वाक्य को ध्यान में रखकर वर्ष 2021 में केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय का गठन किया गया। यह सहकारिता को आम नागरिक के जीवन में समृद्धि का माध्यम बनाकर स्वावलम्बन और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। देश के पहले सहकारिता मंत्री के रूप में गृहमंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री की मंशा के अनुरूप सहकार को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए सहकारिता की आधारभूत इकाई पैक्स को मजबूत बनाने पर बल दिया है। मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर 'बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान–2023' का शुभारम्भ करने के पश्चात इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। बी–पैक्स (साधन सहकारी समितियां) सदस्यता महा अभियान–2023 (01 से 30 सितम्बर, 2023) तक पूरे प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने बी–पैक्स सदस्यता अभियान से जुड़ने के लिए ऑन लाइन पोर्टल और टोल फ्री नम्बर 18002128884444 का शुभारम्भ किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़कर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। समाज

को साथ लेकर चलने वाले लोग इसके माध्यम से चुनकर आएंगे और सहकारिता आंदोलन को प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप सहकार से समृद्धि की ओर ले जाने में अपना योगदान देंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सहकारिता प्राचीन काल से ही भारतीय परम्परा का अभिन्न अंग रहा है। संयुक्त परिवारों की परम्परा इसका एक आदर्श उदाहरण है। गांवों और कस्बों में समाज की सहभागिता से आयोजित होने वाले सभी धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम इसके विभिन्न अंग रहे है। पहले समाज आपस में मिलकर सहयोग की भावना से विद्यालयों तथा विभिन्न संस्थानों का निर्माण करता था। यह सहकारिता का ही आदर्श उदाहरण है। वास्तव में समाज की सहभागिता से जब कोई कार्य आगे बढ़ता है तो उसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सहकारिता के क्षेत्र में पहले बड़े–बड़े चीनी मिलें संचालित होती थी तथा किसानों की समृद्धि का माध्यम बनती थी। इनके द्वारा सड़कों, स्कूल और चिकित्सालयों के निर्माण में योगदान किया जाता था। प्रदेश में कुछ असामाजिक तत्वों की प्रतिस्पर्धा में फंसकर सहकारिता आंदोलन फीका पड़ गया था। डबल इंजन की सरकार सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए इसे आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किये गये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता की सबसे आधारभूत इकाई पैक्स अभी तक बीज और खाद बेचने तक सीमित रहती थी। अब इसे कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। अब इसके द्वारा अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

गांव–गांव में कृषक सहकारी समितियों के माध्यम से गोदाम निर्माण का कार्य चल रहा है। किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए कई रचनात्मक कार्यक्रम चल रहे है जिसके माध्यम से किसानों के चेहरे पर खुशहाली लाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश अपनी समृद्ध कृषि के लिए जाना जाता रहा है। यहां उर्वर भूमि और अच्छे जल संसाधन है। राज्य में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से 02 करोड़ 61 लाख से अधिक किसान सीधे–सीधे जुड़े है। प्रदेश में लगभग 03 करोड़ से अधिक किसान मौजूद है जो इस अभियान से जुड़कर प्रदेश की कृषि को समृद्ध बनाने में सक्षम होंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है, उ0प्र0 राजधानी लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र खबर दृष्टिकोण ,वेब पोर्टल व चैनल को मंडल स्तर/जिला स्तर/तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर पार्टनर/क्षेत्रीय पार्टनर/ब्यूरो/सवांददाता की। पत्रकारिता जगत से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे ।

संपर्क नं.

8840277268 / 522–4073793

ई मेल–

khabardrishtikon@gmail.com

Website :

www.khabardrishtikon.com

Off Add- 6A/101,Sector&6 Vrindavan Yojana Rai Bareli Road Lucknow.

बड़े मियां छोटे मियां में मेरी भूमिका काफी गहन है... - बिजय जे. आनंद ने अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी अगली रिलीज पर बात की

खबर दृष्टिकोण ।

बिजय जे. आनंद वास्तविक अर्थों में एक बहु–प्रतिभाशाली और गतिशील व्यक्तित्व हैं। एक सफल कला सलाहकार और अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु होने से लेकर एक अभिनेता होने तक, जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोजेक्ट कर रहा है, वह निश्चित रूप से अपने काम से सभी को प्रेरित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे है। वह एक बहुमुखी अभिनेता हैं और जब भी उन्हें स्क्रीन पर अपनी काबिलियत साबित करने का मौका मिला है, उन्होंने अपना ए–गेम स्क्रीन पर लाया है। इस समय भी, उनके पास आगे बढ़ने वाली फिल्मों और वेब परियोजनाओं की एक दिलचस्प श्रृंखला है और यह सूची निश्चित रूप से उनके प्रशंसकों को उत्साहित करने की क्षमता रखती है। अब भी, उनके पास उनकी आगे आने वाली फिल्मों और वेब परियोजनाओं की एक दिलचस्प श्रृंखला है और यह सूची निश्चित रूप से उनके प्रशंसकों को उत्साहित करने की क्षमता रखती है।

बिजय ने साझा किया

वैसे, भगवान की कृपा से यह एक अच्छा दौर रहा है। मेरे पास आगे रिलीज होने वाली फिल्मों की एक दिलचस्प कतार है और उम्मीद है कि वे एक अभिनेता के रूप में मेरी विविधता को और अधिक दिखाने में मेरी मदद करेंगे। मैं 'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और टाइगर के साथ एक आतंकवादी की भूमिका निभा रहा हूं। यह एक पूरी तरह से एक्शन फिल्म है और मेरी भूमिका काफी गहन है। मैंने पहले ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ शानदार कलाकार हैं और उनके साथ काम करने में बहुत मजा आया। एक आतंकवादी की मेरी भूमिका में कई परतें हैं और मुझे लगता है कि इसमें दर्शकों को अच्छे तरीके से आकर्षित करने की क्षमता है। मैं इस रिलीज का इंतजार कर रहा हूं और मैं बहुत उत्साहित हूं।

सिर्फ बड़े मियां छोटे मियां ही नहीं, बिजय के कुछ अन्य प्रोजेक्ट भी रिलीज होने वाले हैं जिनके बारे में वह कहते हैं,

इसके अलावा, मैं 'क्रैक' में अपनी भूमिका के लिए बेहद उत्साहित हूं, जहां मैं विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल के साथ मुख्य खलनायक की भूमिका निभा रहा हूं। यह मेरे लिए एक स्वप्निल भूमिका है और यह अद्भुत है। जहां तक वेब सीरीज की बात है, मैंने हाल ही में मिलन लुथरिया, जो बिल्कुल शानदार निर्देशक हैं, उनके साथ श्सुल्तान ऑफ दिल्लीश नाम का एक प्रोजेक्ट किया है यह डिज्नी प्लस हॉटस्टार के लिए है और इसे जल्द ही कभी भी रिलीज किया जा सकता है। इसके अलावा, मैं नेटफ्लिक्स के लिए एक और प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रहा हूं और वह भी एक वेब सीरीज है।

अंतमे, वह कहते हैं,

वर्तमान में, मैं अपने करियर के उस दौर में हूं जहां मैं उतना काम करना चाहता हूं जितना मैं आराम से कर सकूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं। मैं खुद को धन्य महसूस करता हूं और मैं इसके लिए भगवान को धन्यवाद देता हूं।

वैसे, बिजय जे. आनंद को उनकी अगली रिलीज 'बड़े मियां छोटे मियां' में एक आतंकवादी की भूमिका निभाते हुए देखना बेहद दिलचस्प और रोमांचक होगा। क्या उनकी रिलीज लाइन–अप आप पाठकों को बहुत दिलचस्प नहीं लगती? हमें नीचे टिप्पणी अनुभाग में अपने सभी विचार बताएं और अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

जन्माष्टमी पर गौशालाओं में आयोजित होंगे गौपूजन कार्यक्रम

जनप्रतिनिधियों से गौपूजन में प्रतिभाग करने की पशुधन मंत्री ने की अपील

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने जन्माष्टमी के पावन पर्व पर जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि वह अपने क्षेत्र में गौशालाओं में आयोजित होने वाले गौपूजन कार्यक्रम में शामिल होकर भारतीय संस्कृति का मान बढ़ायें। साथ ही स्थानीय लोगों को भी इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करें। उन्होंनें कहा कि इस अवसर पर गाय को गुड़ केला खिलाकर गौपूजन किया जायेगा। आम जनमानस तक गौ सेवा का संदेश पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर मनाया जायेगा।पशुधन एवं दुग्ध

विकास मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की गौशालाओं और गो आश्रय स्थलों में इस बार भी जन्माष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाये जाने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री जी का उद्देश्य इसके जरिये प्रदेश के लोगों में गौ सेवा के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जगाना है। उन्होंनें प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, महापौरों, नगर पालिका अध्यक्षों, जिला पंचायत अध्यक्षों से अपील की है कि गो–माता वैदिककाल से सनातन संस्कृति में पूज्यनीय रही हैं। वेदों में गाय को ''गावो विश्वस्य मातरः'' कहा गया है। गोमाता में33 कोटि देवताओं का वास बताया गया है। जन्माष्टमी के पर्व पर गोशालाओं में पूरी श्रद्धा के साथ उनका पूजन किया जायेगा। पशुधन मंत्री विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि कान्हा गोशाला एवं गोआश्रय स्थलों की साफ–सफाई एवं पेयजल आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होंने यह भी कहा कि जन्माष्टमी का पर्व हमारी गौरवशाली परम्परा एवं समृद्ध विरासत का अंग है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण का धरती पर अवतरण हुआ था। उन्होंने भगवत गीता में मानवता के लिए जो संदेश दिया वह सदियों तक मानव समाज के लिए प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने जन्माष्टमी के पावन पर्व को पूरी श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाने जाने की अपील की है।

स्कूटी सवार महिला पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। पीजीआई पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार को थाना क्षेत्र से जानलेवा हमले के मामले में दर्ज वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया है। पीजीआई कोतवाली प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बीते 30 अगस्त की शाम सैनिक विहार कालोनी रेवतापुर नीलमथा निवासी युवती टियूशन पढ़ाकर अपनी स्कूटी से लौट रही थी इस बीच आरोपी युवक ने युवती संग गलत नियत की भावना से स्कूटी गिरा दिया था युवती के विरोध करने पर आरोपी उस पर जानलेवा हमला कर दिया था जिससे युवती गंभीर रूप से घायल हो गई थी पीड़िता की आवाज सुन कॉलोनी

के ही बबलू यादव ने दौड़ाया था जिसपर आरोपी मौके से फरार हो गया था। घायल का कमांड अस्पताल में भर्ती करा युवती के पिता के शिकायत पर आरोपी के खिलाफ छेड़खानी एवं जानलेवा हमले के आरोप में मुकदमा दर्ज कर तलाश किया जा रहा था वहीं शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी को थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रेवतापुर के पीछे जंगल मे नाले के पास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को गिरफ्त में आये आरोपी ने अपना परिचय पंकज रावत पुत्र नीरज रावत निवासी रेवतापुर सकुरपुर थाना पीजीआई लखनऊ के रूप में दिया है। आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

स्वर्गीय करूणा शंकर पाण्डेय के शाँति पाठ शोक सभा और तेरहवीं में रिश्तेदारों सहित शुभचिंतकों की उमड़ी भीड़

लखनऊ। कृष्णा नगर मकान नम्बर 560/82 ओल्ड रिलाकुल वाटर कम्पाउंड कानपुर रोड स्थित निज आवास पर रवी पाण्डेय उर्फ सोनू पाण्डेय सहायक मण्डल अभियन्ता पश्चिम मध्य रेलवे मध्यप्रदेश जबलपुर में तैनात है के पिता जी स्व करुणा शंकर पाण्डेय जी का इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया था ,जिसके लिए रवि पाण्डेय उर्फ सोनू ने शोक सभा ,शाँति पाठ ,और तेरहवीं का आयोजन किया जिसमें रिश्तेदारों ,पड़ोसियों परिचितोंसहित तमाम जानी मानी प्रतिष्ठित हस्तियोंकोभी आमन्त्रित किया गया ,इसी क्रम में भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ,राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार डॉ ए के सेठ उत्तर प्रदेश

प्रभारी लाल मणि यादव,विशेष कार्याधिकारी मुन्नू लाल त्रिपाठी अपने संगठन के अधिवक्ताओं ,पत्रकारों आरटीआई एक्टिविस्ट ,और समाजसेवियों के साथ आमन्त्रण पर शोक सभा ,शाँति पाठ ,व तेहरवी के अवसर पर पहुँच कर उपस्थित जनो के साथ दो मिनट का मौन रख कर दिवंगत आत्मा की शाँति के लिये प्रार्थना की इसके बाद संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह ने भावुकता से अपनी संवेदनाए व्यक्त की और सुख दुख में साथ खड़े होने की मिशाल पेश की साथ ही साथ भाजपा के दिग्गज वरिष्ठ विधायको ,मंत्रियों ने भी इस अवसर पर पहुँच कर अपने पन का अहसास कराया इस दुख की घड़ी में सभी ने रवी पाण्डेय उर्फ सोनू को इस असहनीय पीड़ा से निजाद दिलाने के लिए हिम्मत देने का कार्य किया।

विमुक्ति प्रमाण पत्र जारी हो और बिना रोक टोक सारी सुविधाएं इसके अंतर्गत हमारे बच्चों को मिले इसका प्रयास किया जा रहा है: राजभर

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विमुक्ति दिवस का आयोजन इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में बृहस्पतिवार को मनाया गया। विमुक्ति दिवस समारोह के संचालन का कार्य श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने अनजाम दिये। राजभर ने प्रदेश के कोने–कोने से आए इस कार्यक्रम में सभी लोगों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष मौजूद थे। इस मौके पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि आजादी के बाद भी पिछड़ेपन का दंश झेल रही जातियों को एकजुट करने, उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिए यह विमुक्ति दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1871 में जिन जातियों को अंग्रेजों ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट बनाकर पाबंद किया वो सब इसमें आती हैं। देश की आजादी के बाद 1952 में सरदार पटेल की पहल से क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट से मुक्ति मिली, इसलिए 31 अगस्त को विमुक्ति दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह वह जातियां है जिन्होंने अंग्रेजों से लोहा लेते हुए देश की आजादी में योगदान दिया है। मंत्री राजभर ने कहा कि अगली बार देश की राजधानी दिल्ली में विमुक्ति दिवस मनाएंगे। इसमें देश से विमुक्ति जातियों को बुलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने साथियों से कहना चाहता हूं कि शोसल मीडिया पर जो लोग आरक्षण मांगते हैं, वह सभी लोग कार्यक्रमों में भी भाग लें और अपनी बात को साझा करें। मंडल कमीशन आया तो हमें अति पिछड़ा में डाल दिया गया। किसने ये अन्याय किया ये सब जानते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन वर्ष तक विमुक्त जातियों के बीच घूम–घूमकर गुजरात के तटीय इलाकों से उन्हें जोड़ा। उन्होंने कहा कि विमुक्ति प्रमाणपत्र का मतलब है कि बच्चों को वह सारी सुविधाएं मिलें जो एक जन–जाति के बच्चों को मिलती है। उन्होंने कहा कि इस सम्बंध में मैंने मुख्यमंत्री से चर्चा की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विमुक्ति प्रमाण पत्र जारी हो और जो सुविधाएं विमुक्ति प्रमाणत्र के अन्तर्गत हमारे बच्चों को मिलती हो वह बिना रोक टोक के हमारे बच्चों को मिले ऐसा प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भूपेन्द्र चौधरी जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारी प्राथमिकता में है कि अपने देश के सभी भाई बहन और जो कमजोर है, अशिक्षित हैं, जो समाज की मुख्य धारा में कहीं न कहीं बिछड़ गये हैं उनका हक दिलाने में हम लोग उनका साथ देंगे। उन्होंने कहा कि इस बात का हम आप लोगों को विश्वास दिलाते हैं कि मंच से जो विषय उठाये गये हैं उसको हम लोग बैठ कर उसका समाधान निकालेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार समाज के सभी वर्गों खासकर विमुक्त समाज के मान–सम्मान के लिए काम किया है और आगे भी किया जायेगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास फार्मूले पर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिवमंगल बिहार पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य, राजेश राजभर प्रदेश उपाध्यक्ष, शिवपूजन राजभर सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग, बब्बन राजभर पूर्व सांसद, हरिनारायण राजभर पूर्व सांसद, मुन्ना राजभर जिला उपाध्यक्ष, रानू राजभर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, बिना राजभर महिला मोर्चा गोंडा, गुड्डू राजभर जिला उपाध्यक्ष गाजीपुर, दिनेश राजभर, रामकिशोर राजभर, जेपी राजभर, अनिल राजभर, गुलाब राजभर बलिया, सी पी राजभर, अखिलेश राजभर जिला पंचायत मऊ, रवी राजभर जिला पंचायत जौनपुर, राधेश्याम राजभर, प्रकाश राजभर, निशा राजभर, रेखा राजभर मऊ, कृष्णा राजभर ब्लॉक प्रमुख, तूफानी राजभर, राजेश राजभर, रामाश्रे राजभर, मोहन राजभर, बृजेश राजभर, विजय राजभर, अरविंद राजभर, शेखर राजभर, सुग्गन राजभर, गुड्डू प्रधान, दिनेश राजभर,

खबर एक नजर में

जालसाजों ने महिला खाताधारक के खाते से ऑनलाइन एक लाख 79 हजार रुपये।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला खाताधारक के खाते साइबर जालसाजों ने खाता सेल्ड कर अश्वनलाइन एक लाख 79 हजार रुपये पार कर लिए जिसकी शिकायत पीड़िता ने साइबर सेल में कर स्थानीय पुलिस से की है। पीजीआई थाना प्रभारी राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के वृन्दावन योजना मकान संख्या 16बी/ 314 में रहने वाली श्वेता सिंह को साइबर जलासजो ने बीते 21 अगस्त को अपना शिकार बना उनके बैंक खाते को सेल्ड कर उनके खाते से अश्वनलाइन एक लाख 79 रूपये ट्रांसफर कर लिए है जिसकी शिकायत पीड़िता ने स्थानीय थाने पर की है। पीड़िता की शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

खिड़की के रास्ते घर में घुसे चोरो ने बंद मकान में की लाखो की चोरी

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में घुमन्तु चोरो ने एक बंद मकान में खिड़की के रास्ते घर में घुस लाखो रूपये कीमती जेवर चोरी कर फरार हो गए। घर वापस लौटे परिजनों को घर में चोरी की जानकारी होने पर कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाँच के बाद पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र अमौसी स्टेशन रोड गंगा नगर में रहने वाली विजय लक्ष्मी पत्नी पंकज कुमार के मुताबिक वह अपनी बहन के घर मे दूसरे मंजिल पर रहती है। बीते 28 अगस्त की शाम वह अपने बहन व पूरे परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर आलमबाग खरीददारी करने आलमबाग गई थी जब 9.45 बजे घर वापस आई तो देखा कि अज्ञात व्यक्तियो द्वारा घर कि खिड़की का शीसा निकाला गया है घर में रखा बक्सा का ताला टूटा पड़ा हुआ था जब उन्होंने बक्सा खोलकर देखा तो सारा जेवर वह नगद पैसा दस हजार रूपये चोरी हो चूका था। जिसपर पीड़िता ने तत्काल कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस ने जाँच के बाद पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है। पीड़िता ने घर के सामने बैठे चौकीदार पर रैकी करा घर में चोरी कराने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार चोरो ने करीब ढाई लाख रूपये कीमत के आभूषण व दस हजार रूपये नगदी चोरी किया है।

प्राधिकरण सचिव के बंद मकान का ताला तोड़ चोरों ने उडाए डेढ़ लाख नकदी व कीमती गहने

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना थाना क्षेत्र के एल्डिको उद्यान 1 कालोनी में रहने वाले प्राधिकरण विभाग में सचिव पद पर कार्यरत के बंद मकान का ताला तोड़ बेखौफ चोरों ने डेढ़ लाख रूपये नकदी व कीमती गहने चोरी कर फरार हो गए। परिवार संग घर वापस लौटे तो घर में चोरी की जानकारी हुई जिसपर स्थानीय थाने पर सूचना कर पुलिस से लिखित शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है। आशियाना थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय के मुताबिक मेरठ प्राधिकरण में सचिव पद पर कार्यरत चन्द्र पाल तिवारी पुत्र राम मनोरथ तिवारी का परिवार आशियाना के एल्डिको उद्यान प्रथम में रहता है। वह बीते 28 जुलाई को एक माह के लिए अपने परिवार को लेकर अपने तैनाती जनपद मेरठ गए थे और मकान की देखरेख माली रविकान्त को सौप गए थे। एक माह बाद बीते 30 अगस्त को अपने परिवार के साथ घर वापस लौटे तो देखा कि घर के अन्दर का गेट का ताला टूटा पडा है और आलमारी से डेढ़ लाख रूपये नगदी समेत कीमती गहने चोरी हो गए। घर में चोरी की जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दे स्थानीय थाना आशियाना पर अज्ञात के खिलाफ चोरी की शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज आधार पर चोरो की तलाश में जुटी है।

जमीन पर जबरन कब्जा का विरोध करने पर दबंगों ने दुकान में घुसकर की मारपीट, दी धमकी

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक को दबंगों ने उसकी भूमि पर कब्जा करने का विरोध करने पर जबरन दुकान में घुसकर मारपीट करने के साथ जान से मारने की धमकी दी है। पीडित की शिकायत पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है । कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र के लालाखेड़ा अलीनगर सुनहरा निवासी लालता प्रसाद पुत्र नन्द लाल ने बताया कि उसकी भूमि ग्राम अलीनगर सुनहरा की गाटा सं0 153 है पर दर्ज कामिल काविज काश्तकार है। आरोप है कि बीते 28 अगस्त की दोपहर करीब 12 बजे भूमि पर दबंग व्यक्ति कपिल देवशर्मा पुत्र विश्व नाथ शर्मा व ध्रुव चन्द्र त्रिपाठी पुत्र रामतेज त्रिपाठी व अतुल त्रिपाठी पुत्र ध्रुव चन्द्र त्रिपाठी निवासी पारा राजाजी पुरम लखनऊ व अन्य दो व्यक्ति के साथ पहुचे और कब्जा करने लगे। विरोध करने पर पीडित की दुकान में घुसकर जमकर मार पीट किया जिससे वह अचेत होकर गिर पड़ा । इस दौरान दबंग पीडित के पोते अंकित को जान से मारने की नियत से दौड़े लेकिन वह जान बचाकर दुकान में घुस गया लेकिन दबंगों ने दुकान मे घुस कर पीडित व पीडित के पोते अंकित को पुनः लाठी डन्डो व फावडे से मारने के साथ गाली गलौज करने के साथ पुनः प्लाट पर मिलने पर जान से मारने की धमकी दी है। पीडित के अनुसार उक्त भूमि का बाद न्यायालय उपजिलाधिकारी सरोजनी नगर लखनऊ में विचाराधीन है । लालता प्रसाद आदि बनाम शशी देवी के नाम स्थगन आदेश बीते 16 अगस्त को पारित कर दिया गया है । वही कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि पीडित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में खून से लथपथ मिला युवक का शव इलाज के दौरान मौत

भाई की शिकायत पर दोस्तों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र गुरुवार सुबह दोस्तों संग शराब पिने के दौरान दोस्तों में बहस हो गई बहस के दौरान ही एक युवक धक्का मुक्की में हादसे का शिकार हो गया जिससे खून से लथपथ हो यह देख भयभीत दोस्तों ने परिवारीजनों को बिना सूचना दिया खून से लथपथ युवक को एक मंदिर के पास छोड़ फरार हो गए। करीब एक घंटे बाद घायल के भाई को जानकारी मिलने पर घायल को अस्पताल ले गया जहाँ इलाज के दौरान डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज भाई की शिकायत पर दोस्तों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है। ग्राम मौरा बरावन कला थाना दुबग्गा निवासी आशीष कश्यप पुत्र रामनाथ ने बताया कि उसका भाई सचिन कश्यप (24) गुरुवार सुबह करीब 10-11 बजे प्रेम चन्द्र के घर के समीप गंभीर रूप से घायल अवस्था में खून से लथ-पथ अवस्था में मिला। आस- पास पूछताछ करने पर पता चला कि प्रेमचन्द्र जो कि अवैध शराब बेचते हैं उन्हीं के घर पर उनका भाई शराब पीने अपने दोस्तों मदनपाल, किशोर यादव, छोटू उर्फ भौकाली के साथ गया था। इस दौरान कोल्ड ड्रिंक को लेकर आपस में झड़प करने लगे। उसी दौरान उसका मृतक भाई सचिन राम चरन के काउंटर पर गिर गया, जिसके कारण काउंटर में लगा कांच उसके भाई सचिन के गले में लग गया। उसके बाद किशोर यादव और मदन पाल ने उसके भाई सचिन को वहाँ से उठाकर कुछ दूरी पर मंदिर के पास नाली के किनारे ले जाकर छोड़ दिया और करीब एक घण्टे तक सचिन के घर पर कोई सूचना नहीं दिया। जब सूचना मिली तो वह अपने भाई को इलाज के लिए हास्पिटल लेकर गया, जहाँ पर डाक्टरों ने उसके भाई सचिन कश्यप को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की शिकायत पर आरोपित दोस्तों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जलौदीनगर प्रा.वि.में जल भराव नौनिहाल छात्रो व जनमानस को हो रही दिक्कत

गोसाईगंज लखनऊ सलेमपुर ग्राम के मजरे जलौदी नगर प्रा वि परिसर मे जलभराव के चलते विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे नौनिहाल बच्चों को काफी मुशीबतेझेलनी पड़ती है तथा विद्यालय के सामने बना मार्ग जो की गंगागंज कस्बा जोड़ता है वह भी काफी चर्चा का विषय बना है लगभग विद्यालय परिसर के सामने सहित रोड पर 500 मीटर पर काफी जल भराव है जिसके चलते आवागमन कर रही जनता को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है तक जाने वाला मार्ग लगभग 2 किलोमीटर जिसमें काफी जल भराव रहता है जिससे आवागमन कर रही जनता को भारी मुशीबत झेलनी पड़ रही है यह आलम कई वर्षों से है लेकिन इस ओर ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा एवं विभागीय कर्मचारी व अधिकारी तथा प्रशासन ध्यान नहीं आकर्षित कर रहा है बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए हैं जो कभी भी किसी भारी घटना को अंजाम दे सकते हैं दो पहिया चार पहिया से आने वाले व्यक्तियों को जल भराव पर करके ही जाना पड़ता है और पैदल चलने वालों का मार्ग ही नहीं है जिससे पैदल जाने वाले व्यक्ति इस मार्ग से जा सके उक्त जर्जर मार्ग होने के चलते आवागमन कर रहे व्यापारी व शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ता है

मेरे लिए रक्षाबंधन पारिवारिक समय और अच्छी मिठाइयों के बारे में है - मधुरिमा तुली

खबर दृष्टिकोण।

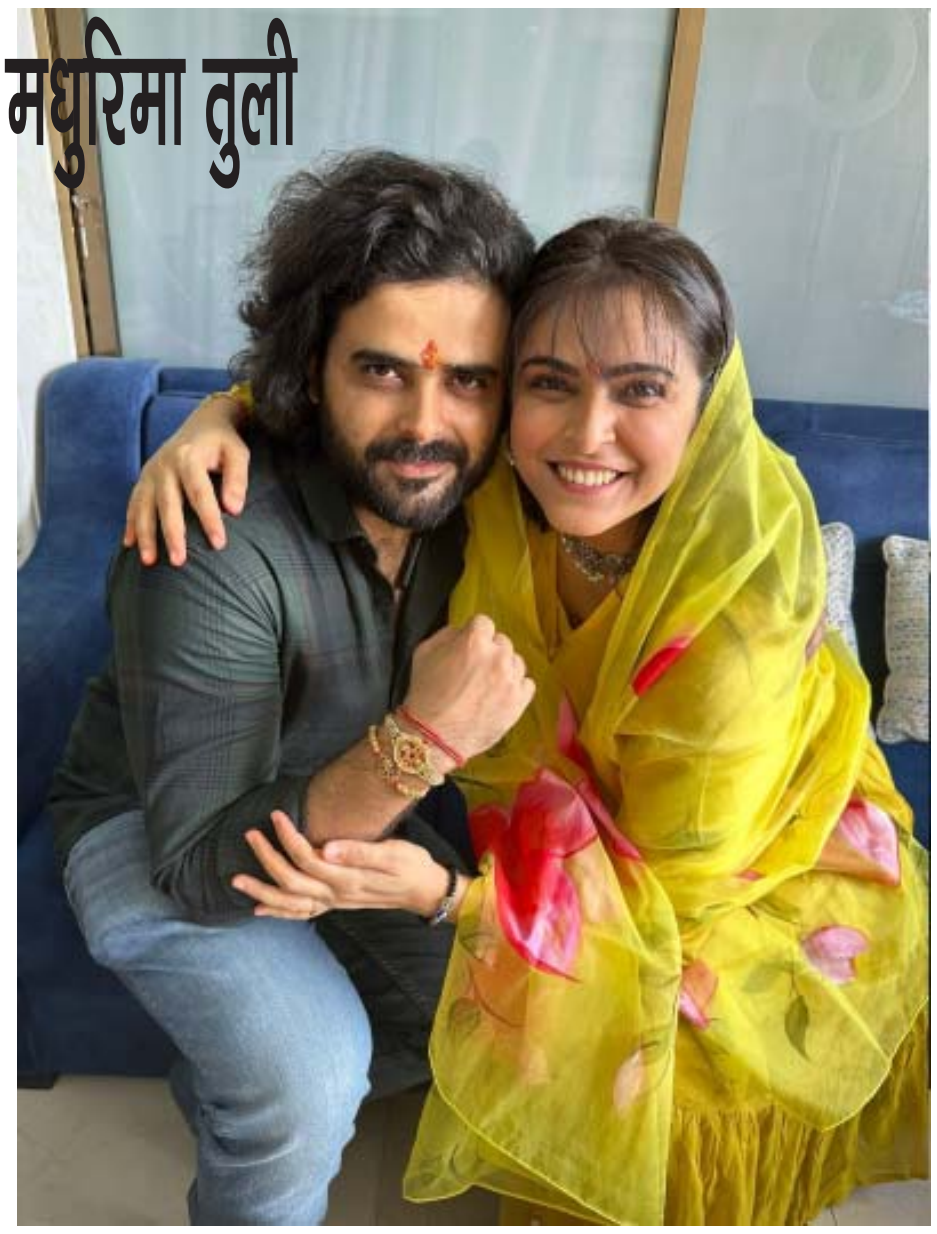

मधुरिमा तुली भारतीय मनोरंजन उद्योग की सबसे खूबसूरत और शानदार अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपनी फिल्में, ओटीटी परियोजनाओं और टीवी शो के सौजन्य से, वह अपनी खुद की जगह बनाने में कामयाब रही है और हमें यह पसंद है। वह अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को बहुत ही शानदार ढंग से संतुलित करती है, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उस विभाग में उससे सीखने के लिए बहुत कुछ है। किसी भी अन्य भारतीय महिला की तरह, मधुरिमा तुली ने भी अपने दिल और दिमाग को सही जगह पर रखा है और यही कारण है कि, वह पारंपरिक त्योहारों को अत्यंत गौरव के साथ मनाने से नहीं कतराती हैं। आज रक्षाबंधन होने के कारण हर साल की तरह मधुरिमा के लिए यह वाकई बेहद खास दिन है। इस वर्ष के लिए अपनी योजनाओं के बारे में वह बताती हैं, रक्षा बंधन हमारे देश में सबसे अद्भुत और शुद्ध त्योहारों में से एक है। रक्षा का अर्थ है सुरक्षा और बंधन का अर्थ है जुड़ाव। तो संक्षेप में, हम इसे सुरक्षा के बंधन के रूप में समझते हैं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे भाई मिले जो मेरी देखभाल करते हैं और जब भी

जरूरत होती है, वे मेरे लिए अतिरिक्त प्रयास करने से भी गुरेज नहीं करते। उथल-पुथल के क्षणों में वे भावनात्मक समर्थन के स्तंभ रहे हैं और मैं उनको पाकर में बहुत खुश और भाग्यशाली हूं। आज का दिन उन्हें मनाने और उनके साथ जश्न मनाने के बारे में है। मेरे लिए यह त्यौहार पारिवारिक समय और मिठाइयों के बारे में है।

उन्होंने जोड़ा, आज के व्यस्त कार्यक्रम में, हर कोई काम में इतना व्यस्त है कि अक्सर एक साथ आराम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ये त्योहार के दिन बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। मैं अपने सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकों को रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं। काम के मोर्चे पर, मधुरिमा तुली के पास आगे दिलचस्प प्रोजेक्ट्स आने वाले हैं और घोषणाएं जल्द ही शुरू होंगी। इस पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें।

अनियमितताओंपर राजकीय आई.टी.आई. रामपुर केतत्कालीन प्रधानाचार्य एम.के. कुलश्रेष्ठ की रोकी गयी 01 वेतन वृद्धि

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ।प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देश पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रामपुर के तत्कालीन प्रधानाचार्य एम.के. कुलश्रेष्ठ द्वारा वर्ष 2014 में की गयी अनियमितताओं के लिये उनके 01 वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव के साथ स्थायी रूप से रोकने का दण्ड दिया गया है। एम.के. कुलश्रेष्ठ द्वारा वर्ष 2014 मे की गयी अनियमितताओं की जांच के उपरान्त दोषी पाये जाने पर उन्हे दण्डित किया गया। इस सम्बन्ध मेंप्रमुख सचिव व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम् द्वारा दण्डित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। वर्तमान में एम.के. कुलश्रेष्ठ तत्कालीन संयुक्त निदेशक, (प्रशि0धशिक्षु0) चित्रकूट मण्डल, चित्रकूट के पद पर तैनात है। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टारलेंस की नीति पर कार्य कर रही है। भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए विभिन्न योजनाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है।

तीन वारंटी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना पुलिस द्वारा कोर्ट द्वारा जारी एनबीडब्लू आदेश के अनुपालन में शुक्रवार को तीन वारंटियो को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मेंभेज दिया है। आशियाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि न्यायालय द्वारा जारी एनबीडब्लू आदेश पर पेशी पर नहीं जा रहे तीन आरोपियों सोनू पुत्र राम गुलाम निवासी ग्राम उसरी थाना आशियाना , संजीव कुमार उर्फ संजय उर्फ सोनू पुत्र जगली भगत निवासी ग्राम उसरी थाना आशियाना एवं रामसेवक पुत्र गुरू प्रसाद निवासी ग्राम उसरी थाना आशियाना लखनऊ को शुक्रवार को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

छात्राओं ने ट्री मैन पुलिस सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा को राखी बांधकर वृक्ष रक्षा का दिया वचन

सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व ने बच्चों से बंधवाई राखी उनकी सुरक्षा का दिया वचन

खबर दृष्टिकोण

उन्नाव। रक्षाबंधन पर ट्री मैन की भूमिका में पेड़ -पौधों की सुरक्षा का संदेश दे रहे उन्नाव जिले के पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनूप मिश्रा अपूर्व तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय सदर बाजार कम्पोजिट नगर क्षेत्र की छात्राओं के बीच आज एक अटूट रिश्ता बना। क्योंकि छात्राओं ने पुलिस सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा की कलाई पर राखी बांधी और अपनी सुरक्षा का वचन लिया । वहीं पर अनूप मिश्रा अपूर्व ने अपनी कलाई पर राखी बंधवाकर उन सभी को सुरक्षा का वचन दिया और पेड़ - पौधों को राखी बांध कर ष्पर्यावरण उत्सव ष के रूप में भी रक्षाबंधन मनाने का संकल्प दिलाया और उनसे वृक्ष रक्षा का वचन लिया । बच्चों द्वारा पुलिस अंकल के साथ विद्यालय परिसर मे पेड़ - पौधों को पर्यावरण राखी बांधी गई । प्रकृति के साथ रिश्ता बनाने की मुहिम के जरिये ट्री मैन अनूप मिश्रा विगत कई वर्षों से पर्यावरण रक्षा का संदेश समाज को दे रहें हैं । रक्षा बंधन के आयोजन में स्कूल की प्रधान शिक्षिका डा . शिखा द्विवेदी तथा सहायक शिक्षक का बीना त्रिपाठी आदि का विशेष सहयोग रहा । पुलिस सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व ने बच्चों को ष राजकुमारी की अंगूठी ष कहानी सुनाकर पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ

के संबंध को बताया कि कैसे अच्छा परिवेश वायु प्रदूषण को कम करता है और हम शरीर और मन से स्वस्थ रहते हैं । कार्यक्रम मेंविद्यालय की इंचार्ज ध्प्रधान शिक्षिका डा. शिखा द्विवेदी ने पुलिस सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व द्वारा संचालित मुहिम ष वृक्ष रक्षा - जन सुरक्षा की सराहना करते हुए पेड़ को जीवन का आधार बताया , उन्होंने कहा कि आज हम, स्वयं को पुलिस भाइयों की वजह से ही सुरक्षित एवं सहज महसूस करते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के कारण 'अपराधियों में भय एवं आमजन में विश्वास' बढ़ रहा है । यथार्थ में पुलिस ही हमारे सामाजिक स्तर पर सर्वत्र अमंगल की आरक्षी है। समाज और पर्यावरण की सुरक्षा में लगे वर्दी धारी अनूप मिश्रा एक मिसाल हैं ।

रक्षाबंधन के महान पर्व पर बिजली विभाग की आंख मिचौली से जनमानस में आक्रोश

अंकित कुमार द्विवेदी खबर दृष्टिकोण

कदौरा। बबीना कदौरा क्षेत्र के के समस्त ग्रामीण रक्षाबंधन के पर्व पर बिजली न आने से आक्रोशित हैं ग्रामीणों का कहना है की चुनाव के समय हिंदू वाद का डंका पीटने वाली योगी सरकार को बिजली विभाग ने खिलाफ कर दिया है बिजली न आने से एवं लो वोल्टेज होने के कारण पानी की समस्या उत्पन्न हो जाती है जिससे जनमानस में असंतोष का वातावरण व्याप्त हो रहा है रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों का आगमन भाई के राखी बांधने के क्रम में होता है जिसमें मुख्य भूमिका बिजली विभाग की होती है बबीना फीडर में या तो कर्मचारी की कमी है या फिर कर्मचारी अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं कर रहे हैं वही गांव में बिजली की लाइन लाइन अत्यंत जर्जर अवस्था में है जिससे आए दिन फाल्ट होता है एवं हैं घंटो लाइन सड़क पर टूटी डली रहती है बिजली घर को फोन द्वारा सूचना करने पर कोई जिम्मेदार व्यक्ति फोन भी नहीं उठाते और उठाने के बाद भी फोन बंद कर लेते हैं जिससे ग्रामीणों को पूरी रात बिजली की समस्या से जूझना पड़ता है बिजली घर के अधिकारियों एवं कर्मचारी के इस रवैया से कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है कई बार तो जानवर जर्जर लाइन का शिकार हो चुके हैं पर अभी तक बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगी है इस वजह से सरकार की हवा हवाई पोल जन मानस में खुल रही है एक और सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली देने का दावा कर रही है वहीं ग्रामीणों को 24 घंटे में तीन या चार घंटे बिजली प्राप्त हो रही है वहीं घरेलू कनेक्शन के लोग पूर्ण रूप से दुखी हैं क्योंकि मीटर कनेक्शन लोग घर बैठे रीडिंग भेज देते हैं जिससे बिल कहीं अधिक आता है तो कहीं मीटर रीडिंग से कम हो जाता है 4 से 5 महीने बिजली का बिल उपभोक्ता को प्राप्त न होने के कारण बिल समय से प्रत्येक माह में जमा नहीं हो पता है जिससे घरेलू उपभोक्ता पर अनावश्यक अदीभार बढ़ता है वहीं पर्याप्त रूप से बिजली न आने के कारण किसान की फसल भी सूखने के कगार में है एक तरफ बारिश ना होना और दूसरी तरफ बिजली न मिलने से एड्रेक्टर नलकूप बंद रहते हैं जिससे धन की फसल खराब हो रही है वहीं पर किसान सरकार को कोसते हुए नजर आते हैं सरकार को उक्त समस्या को संज्ञान में लेकर शीघ्र अति शीघ्र निस्तारण किया जाए अन्यथा 2024 को चुनाव प्रभावित होगा।

गैस सिलेंडर के चूल्हे पाइप में आग लगने से हुआ ब्लास्ट

ब्लास्ट किशोरी समेत दो वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल,किचन में बच्चा समेत दूध गरम करने गई थी किशोरी।

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर के में प्रथम तल पर किराये पर रहने वाले मेडिकल कम्पनी में कार्यरत के घर में सिलेंडर में ब्लास्ट होने से उनकी साली और 2 वर्ष का मासूम बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें आनन फानन में निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड टीम की 2 दमकल की गाड़ियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आशियाना के सेक्टर के मकान संख्या 1090 दीपा दीक्षित के मकान के प्रथम तल में मेडिकल कंपनी में एम आर पद पर कार्यरत आशीष मौर्या अपनी पत्नी दीपा, 2 वर्षीय बेटे अद्द्युत व 17 वर्षीय साली के साथ सेक्टर के साथ रहते है। पत्नी दीपा रायबरेली के सरकारी विद्यालय में शिक्षिका पद पर कार्यरत है। साली रोली घर में रहकर मासूम की देखभाल करती है। इंस्पेक्टर आशियाना ए के पांडेय ने बताया कि रोज की तरह शुक्रवार को भी आशीष मौर्या और उनकी पत्नी अपने डियूटी पर गए थे। घर में साली रोली और मासूम बच्चा था साली बच्चे को लेकर किचन में बच्चे के लिए दूध गर्म करने गई थी और जैसे ही गैस जलाया तो चूल्हे के पास लगी सिलेंडर की पाइप में ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट की चपेट में आकर साली और बेटा घायल हो गए। ब्लास्ट की आवाज सुनकर लोग और मकान मालिक दौड़े तो देखा कि खिड़कियों के कांच टूट गए थे और आग भी लग गई थी। लोगों ने घायलों को तुरंत निजी अस्पताल अपोलो मेडिक्स पहुंचाया और घटना की जानकारी फायर बिग्रेड और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घायलों की स्थिति गम्भीर देखते हुए उन्हें चौक स्थित केजीएमयू सिप्स अस्पताल भेज दिया गया जहां उनकी हालत गम्भीर बनी हुई है। एफएसओ आलमबाग धर्मपाल

सिंह ने बताया कि आग किचन में फैली थी लेकिन अन्य कमरों के भी खिड़की दरवाजे के कांच टूट गए। मौके पर पहुंची दो दमकल की गाड़ियों ने थोड़ी ही देर में आग पर नियंत्रण पा लिया गया था।

बुकिंग के बहाने कार लेकर चालक फरार मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में रहने वाला एक चालक ने बुकिंग के बहाने गाडी मालिक का कार लेकर फरार हो गया और फोन पर धमकी दे रहा है। पीड़ित ने सहायक पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। एसीपी के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीजीआई थाना क्षेत्र के तेलीबाग गल्ला मंडी निवासी मेराज पुत्र ननकऊ के मुताबिक उन्होंने खरिका सेक्टर 5 निवासी राम बाबू से उनकी वैगनआर कार चार लाख रूपये में खरीदा था जिसका पूरा भुगतान भी कर दिया था लेकिन रामबाबू ने पैसा लेने के बावजूद उनको गाड़ी भी ट्रांसफर नहीं किया और उनकी गाड़ी को वही बुकिंग पर भी चलाता था बुकिंग के बहाने कार लेकर गया और वापस नहीं लौटा। आरोप है कि वह न ही उनकी गाड़ी वापस कर रहा है और न ही पैसा वापस कर रहा है। जिसकी शिकायत पीड़ित ने सहायक पुलिस आयुक्त से की है। एसीपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।

जमीन के विवाद में हुई थी कहासुनी, सब्बल मारकर उतारा मौत के घाट, जांच शुरू

कानपुर देहात (ब्यूरो)। कानपुर देहात में शिवली कोतवाली क्षेत्र के बेहटा गांव में जमीन के विवाद में बड़े भाई शैलेंद्र गौतम की मझले भाई शशिकांत से कहासुनी हो गई। गुरुवार देर रात खेत पर शैलेंद्र ने सब्बल मार कर शशिकांत की हत्या कर दी। मृतक बोलेरो ड्राइवर था। अनहोनी पर पत्नी व अन्य परिवारी रोने बिलखने लगे। एएसपी राजेश पांडेय ने मौके पर पहुंच कर पड़ताल की। थाना प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, मैथा चौकी के बेहटा गांव में रामपाल के पास आठ बीघा खेतिहर भूमि है। शशिकांत गौतम (30) दो बीघा जमीन मांग रहा था। इसको लेकर गुरुवार को दोनों में विवाद हुआ। बड़ा भाई शैलेंद्र सब्बल लेकर शशिकांत को मारने दौड़ा, तो वह बचने के लिए खेतों की तरफ भागा। खेत में बंधे तार से पैर फंस गया, तो वह गिर गया। इसी दौरान शैलेंद्र ने ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया और भाग निकला। इधर परिजन मौके पर पहुंचे और रोने लगे। हत्या की सूचना पर कोतवाली शिवली, मैथा चौकी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किया। रात में ही मौके पर पहुंचे एएसपी राजेश पांडेय ने परिजनों से जानकारी ली। इंस्पेक्टर एसएन सिंह ने बताया कि भाइयों के बीच पिता की खेती को लेकर विवाद था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सस्ती जेनेरिक दवाओं के लिए लड़नी होगी और लम्बी लड़ाई

निमिषा सिंह

भारत में पहले से ही जनऔषधि जैसी और भी कई योजनाएं हैं जो लाखों गरीबों को सरकारी अस्पतालों से मुफ्त जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराती हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र बिहार के इंचार्ज कुमार पाठक जी से जब इस सिलसिले में मेरी बात हुई तो उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर सरकार का यह कदम सराहनीय है। पिछले कुछ सालों से विभिन्न जन औषधि केंद्रों पर बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाइयों की खपत और मांग यह दशार्ती है कि लोगों में इन दवाओं के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है। हम जन औषधि केंद्रों पर तकरीबन 1600 तरह की दवाएं उपलब्ध करा रहे है। जेनेरिक की कम लागत ब्रांडेड दवाओं का एक विकल्प है और इसलिए जेनेरिक हावी है जो खुदरा बाजार का 70 से 80% हिस्सा बनाता है।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के बावजूद एक बड़ा वर्ग अब भी स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से अछूता है। लोग इलाज के लिए महंगी दवा लेने को मजबूर है। इंसानी जीवन रक्षा का कारोबार अमानवीय अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को मंहगे उपहार देकर मरीजों के लिए मंहगी और गैरजरुरी दवाएं लिखने लिखवाने का प्रचलन लूटतंत्र का हिस्सा बन चुका है। ऐसे माहौल में चिकित्सकों को मरीजों के पर्ची में सिर्फ जेनेरिक दवाएं ही लिखने की नसीहत वाली हालिया अधिसूचना से चिकित्सा पेशेवरों और उनके अनैतिक कारोबार पर लगाम लगाने वाले फैसले को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। गुरुवार को नए नियमों वाले दिशा-निदेर्शों पर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने रोक लगा दी है। इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी करते हुए आयोग ने पंजीकृत चिकित्सकों के व्यावसायिक आचरण से संबंधित विनियमों तत्काल रूप से स्थगित कर दिया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने नए गाइडलाइन को लेकर शुरूआत से ही आपत्ति जताई थी। पिछले कुछ दिनो से ईंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा सरकार पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश की जा रही थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर सभी दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित होने तक का हवाला देते हुए पर्ची में जेनेरिक दवाएं अनिवार्य रूप से लिखने पर राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के नियमों को वापस लेने की मांग की थी। आखिकार सरकार को चिकित्सा पेशेवरों के आगे झुकना पड़ा। एनएमसी के नए दिशा-निदेर्शों के अनुसार सभी डॉक्टरों को पर्ची पर ब्रांडेड दवाइयों की जगह केवल जेनेरिक दवाइयां लिखना अनिवार्य कर दिया गया था और ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती थी या मुमकिन है कि उनका लाइसेंस एक निश्चित अवधि के लिए रद्द कर दिया जाता। साथ ही मरीजों को दी जाने वाली पर्ची प्रिंटेड हो इस बात पर भी जोर दिया गया था। नए दिशानिदेर्शों पर फिलहाल रोक लगाना निसंदेह सरकार का यह फैसला गरीब मरीजों के पक्ष में तो कतई नहीं है निराशाजनक जरूर है। इसलिए हमारी ज्यादा से ज्यादा कोशिश होनी चाहिए कि लोगों को सस्ती जेनेरिक दवाओं के विषय में बताएं। उन्हे जानकारी उपलब्ध कराएं। फर्क नहीं पड़ता सरकार का अगला कदम क्या होगा। फर्क इससे पड़ता है कि मरीज या उसके घरवाले जागरूक है या नही। उन्हे जेनेरिक दवाओं के विषय में पता है या नही। जन औषधि केंद्र पर सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध है उन्हे इस विषय में पता होना चाहिए। अगर मरीज जागरूक है तो ब्रांडेड दवाओं के कारोबार से जुड़ी लोगो की दुकान भले ही बंद न हो पर थोड़ा झटका जरूर लगेगा। सबसे जरूरी सवाल कि जेनेरिक और ब्रांडेड में फर्क क्या है? उदाहरण के तौर पर दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। तुलनात्मक रूप से ब्रांडेड दवा जेनेरिक से काफी महंगी होती है। जाहिर है भारत में लोगों की कमाई

का एक बड़ा हिस्सा उनके स्वास्थ्य और बीमारी पर खर्च हो जाता है जिसमे सबसे ज्यादा खर्च दवाइयां पर होता है। भगवान के बाद मरीज अगर किसी पर यकीन करता है तो वह है डॉक्टर। पर्ची पर लिखी गई ब्रांडेड दवाइयां महंगी ही क्यों ना वह खरीदता जरूर है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि देश में लगभग सभी नामी दवा कम्पनियां ब्रांडेड के साथ-साथ कम कीमत वाली जेनेरिक दवाएं भी बनाती हैं लेकिन ज्यादा लाभ के चक्कर में डॉक्टर और कंपनियां लोगों को इस बारे में कुछ बताते नहीं हैं और जानकारी के अभाव हम महंगी दवाएं खरीदने को विवश हैं जबकि जेनेरिक दवाइयां ब्रांडेड दवाइयां की तुलना में काफी सस्ती होती है और जन औषधि केंद्र में उपलब्ध है। मुंगेर सदर अस्पताल के परिसर में जन औषधि केंद्र के संचालक राकेश कुमार ने बातचीत के क्रम में ही मुझे जेनेरिक और गैर जेनेरिक दवा के बीच के मूल्य के बीच का अंतर बताया। दर्द और बुखार में दी जाने वाली एंटीबॉयोटिक दवा एसिक्लोफेनाक (पैरासिटामॉल) की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत जन औषधि केंद्र में दस रुपये है जबकि ब्रांडेड की कीमत 45 रुपये है। एंटीबॉयोटिक के रूप में अमोक्सिसिल्लिन-625 की कीमत औषधि केंद्र में छह गोली की स्ट्रिप 51 रुपये में मिलती है जबकि ब्रांडेड की कीमत 160 रुपये है। शुगर में दी जाने वाली दवा ग्लिमेप्राइड एक एमजी की 10 गोली की कीमत औषधि केंद्र में चार रुपये है जबकि बाजार में इसकी कीमत 50 रुपये प्रति स्ट्रिप है। यही दवा दो एमजी में 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 5 रुपये है, जबकि बाजार में इसकी कीमत 55 रुपये हो जाती है। गैस में दी जाने वाली दवा पैंटोप्राजोल की 10 गोली वाली स्ट्रिप की कीमत औषधि केंद्र में 22 रुपये है जबकि बाजार में इसकी कीमत 190 रुपये है। इसकी दूसरी दवा ओमीप्राजोल की कीमत औषधि केंद्र पर 10 रुपये है। जबकि बाजार में इसकी कीमत 70 रुपये हो जाती है। ब्रांडेड दवाओं की कंपनी अपने ब्रांड के प्रचार प्रसार में काफी पैसे खर्च करती है जिसकी भरपाई मरीजों की जेब काटकर की जाती है। हालांकि यह सवाल अक्सर उठाया जाता है कि क्या जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता और प्रदर्शन ब्रांड दवाओं के बराबर है? भागलपुर के मिनी दी मेमोरियल हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ रौनक राज का कहना है कि जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तरह ही असर करती है। फर्क इतना है कि ब्रांडेड दवाओं की मार्केटिंग ज्यादा होती है और चूंकि मरीज हम पर आंख मूंद कर भरोसा करते है तो हमारी पर्ची पर लिखी ब्रांडेड दवाइयां के असर के विषय में वो आश्वस्त रहते है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। जेनरिक दवाएं भी ठीक उसी तरह अपना काम करती है जैसे ब्रांडेड दवाएं। ब्रांडेड दवा से जेनेरिक दवा पर स्विच करने में भी कोई नुकसान नहीं है। जो साल्ट जेनेरिक दवाइयों में होते हैं वही साल्ट ब्रांडेड दवाइयों में भी। जितनी असरकारी जेनेरिक दवाइयां होती है उतनी ही असरकारी ब्रांडेड दवाइयां फिर सवाल यह उठता है कि दोनो की कीमतों से दोगुने से भी ज्यादा का फर्क क्यूं? क्यों मेडिकल स्टोर्स पर जेनेरिक की जगह ब्रांडेड दवाइयां बेची जा रही है? क्यूं डॉक्टर जेनेरिक की जगह ब्रांडेड दवाइयां अपनी पर्ची में लिखते है ? जेनेरिक दवाएं न बिकने का कारण कहीं न कहीं डॉक्टर भी हैं। मल्टी नेशनल फार्मा कंपनी में काम करने वाले एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव ने बताया कि उन्हें दवाएं बेचने का टारगेट मिलता है जिसके लिए वह सरकारी और प्राइवेट दोनों ही डॉक्टर्स के पास जाते हैं। अगर कोई कंपनी नई हो या नई दवा हो और उतनी असरकारक न हो तो ज्यादातर डॉक्टर तुरंत अपने मुनाफे की बात करते है। इसके लिए उन्हें 10 से लेकर 50 परसेंट तक कमीशन देना होता है। चूंकि कंपनियां मोटा मुनाफा कमाती हैं तो इसके लिए वे डॉक्टर्स को भी बड़ा हिस्सा देने को तैयार रहती हैं। जाहिर है दवाओं के लिहाज से डॉक्टरों का हर एक प्रिस्क्रिप्शन बिका होता है। एक ऊंची बोली लगती है पर्चे में दर्ज होने वाली दवाओं की फेहरिस्त की। यहां तक कि डॉक्टरों के मेडिकल स्टोर भी फिक्स होते हैं। पर्ची पर बाकायदा लिखा होता है कि उनकी दवाएं किन मेडिकल स्टोर्स पर मिल सकती है। चूंकि जेनेरिक दवाओं में इनका कुछ फायदा होता नहीं हैं। इसलिए इन्हे लिखने में डॉक्टर परहेज करते हैं। मजाल क्या कि कोई मरीज लिखी गई दवा की जगह उसी सॉल्ट की अन्य कोई दवा ले भी ले आए तो यह कहकर वापस करा दिया जाता हैं कि जो लिखी है वही लेकर आओ। भारत में एक लंबे अरसे से सस्ती दवाओं को उपलब्धता को लेकर मांग की की जाती रही है। जन स्वास्थ्य अभियान और ग्लोबल पीपुल्स हेल्थ मूवमेंट (पीएचएम) के संस्थापक सदस्य डॉ. अमित सेनगुप्ता इस सवाल को लगातार उठाते रहे हैं। उनका निधन 2018 में हुआ। 2015 में झाबुआ में विकास संवाद की ओर से आयोजित पत्रकार समागम में दवाओं की कीमत को लेकर आवाज उठाया गयी। 2012 से सस्ती दवाइयां की उपलब्धता को लेकर मुहिम हो या फिर स्वस्थ भारत के तीन आयाम जनऔषधि, पोषण और आयुष्मान के विषय को जन जन तक पहुंचाने के लिए 21000 किलोमीटर की देशव्यापी स्वास्थ्य जागरण यात्रा करने वाले स्वस्थ भारत के फाउंडर आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि ऐसा नही है कि की दवा कंपनियों पर सरकार का नियंत्रण नहीं है। दवाओं और फामूर्लों की कीमतों में संशोधन करने और देश में दवाओं की कीमतों और उपलब्धता को लागू करने के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए मौजूद है। दुखद है की यह प्राधिकरण अपना काम सही तरीके से नहीं कर रही है। भारत में पहले से ही जनऔषधि जैसी और भी कई योजनाएं हैं जो लाखों गरीबों को सरकारी अस्पतालों से मुफ्त जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराती हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र बिहार के इंचार्ज कुमार पाठक जी से जब इस सिलसिले में मेरी बात हुई तो उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर सरकार का यह कदम सराहनीय है। पिछले कुछ सालों से विभिन्न जन औषधि केंद्रों पर बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाइयों की खपत और मांग यह दशार्ती है कि लोगों में इन दवाओं के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है। हम जन औषधि केंद्रों पर तकरीबन 1600 तरह की दवाएं उपलब्ध करा रहे है। जेनेरिक की कम लागत ब्रांडेड दवाओं का एक विकल्प है और इसलिए जेनेरिक हावी है जो खुदरा बाजार का 70 से 80% हिस्सा बनाता है। जैसे-जैसे भारत की जनसंख्या बढ़ रही है विशेषकर वृद्ध जनसंख्या के कारण जेनेरिक दवाओं की मांग उनकी सामर्थ्य और प्रभावशीलता के कारण काफी बढ़ गई है जो ब्रांडेड दवाओं के समान ही है। हालाकि अभी भी जेनेरिक दवाओं को लेकर लोगों के मन में तमाम तरह की भ्रांतियां देखी जाती हैं। जेनेरिक दवाएं सस्ती होने के कारण उसके गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े किए जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लोगों में जेनेरिक दवाओं से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने की आवश्यकता है। स्वाभाविक है जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और उपयोग के साथ हमारा इन दवाओं के साथ अनुभव बढ़ेगा उतना ही हमारा विश्वास कायम होगा। उम्मीद है की जैसे-जैसे अधिक से अधिक पेटेंट समाप्त होते जायेंगे दवा बाजार के जेनेरिक संस्करणों की बिक्री में वृद्धि की संभावनाएं और बढ़ेगी।

संपादकीय

प्रहसन बना सत्र

पूर्वोत्तर के प्रांत मणिपुर में पिछले चार महीनों से जारी जातीय हिंसा रोकने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को विष्णुपर जिले के नारायणसेना में दो गुटों के बीच हिंसा हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इसी दिन मणिपुर में विधानसभा का एकदिनी सत्र शुरू होने के 48 मिनट के भीतर ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। हैरानी की बात है कि सदन की बैठक में जातीय हिंसा पर कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन सत्र के अंत में 'बातचीत और संवैधानिक तरीकों से' शांति कायम करने वाला एक प्रस्ताव सदन द्वारा पारित घोषित कर दिया गया। हिंसा के कारण पलायन करने वाले परिवारों के पुनर्वास का काम अधूरा है। सेना और पुलिस बलों से लूटे गए आधुनिक हथियारों की वापसी नहीं हुई है। अमन चैन की बहाली भी नहीं हो पाई है। ऐसे संकट में सदन में इस पर व्यापक तौर पर चर्चा होनी चाहिए थी, लेकिन हास्यास्पद यह है कि सत्तारूढ़ पक्ष ने चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग की प्रशंसा की और इसरो के दल का हिस्सा रहे मणिपुर के वैज्ञानिक एन. रघुसिंह को बधाई दी। सदन में मात्र 11 मिनट कामकाज हुआ जिसे देखते हुए कहा जा सकता है कि महज संवैधानिक खानापूर्ति के लिए सत्र बुलाया गया था। संविधान के अनुच्छेद 174(1) में प्रावधान है कि प्रत्येक छह महीने में विधानसभा का एक सत्र होना अनिवार्य है। विधानसभा का पिछला सत्र मार्च में हुआ था। 2 सितम्बर को यह अवधि समाप्त हो रही थी। इसीलिए राज्य सरकार ने 21 अगस्त तक विधानसभा का सत्र बुलाने की सिफारिश की थी, लेकिन राजभवन से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे 28 अगस्त तक बढ़ा दिया गया और आखिर में मुख्यमंत्री कार्यालय ने 29 अगस्त को सत्र बुलाने की घोषणा की। 60 सदस्यीय विधानसभा में कुकी समुदाय के 10 विधायक हैं। उम्मीद के मुताबिक ये सभी सदस्य राज्य में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति का हवाला देकर सदन से अनुपस्थित रहे।

अडॉनी समूह की कंपनियों का एक और भंडाफोड़

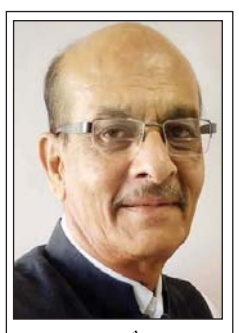

सनत जैन

हिडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट के बाद अब ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट द्वारा, अदानी समूह को लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है। इस खुलासे में बताया गया है, कि अडानी समूह के मालिकों ने गुपचुप तरीके से लाखों डॉलर का निवेश अपने ही कंपनियों के शेयरों में करके भारी घोटाला किया है। इस रिपोर्ट को अदानी समूह ने खारिज कर दिया है।लेकिन जिस तरह के प्रमाण इस रिपोर्ट में दिए गए हैं।उससे अदानी समूह की आगे चलकर मुसीबतें बढ़ेगी। पत्रकार जगत के आर्थिक क्षेत्र में काम करने वाले पत्रकारों द्वारा यह रिपोर्ट काफी मेहनत के बाद तैयार की गई है इसमें सभी तथ्यों को जुटाया गया है। दुनिया के दो बड़े अखबारों में यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है।जिनकी पूरी दुनिया में वित्तीय क्षेत्र में बड़ी मान्यता है।जैसे ही इस रिपोर्ट का खुलासा हुआ। अदानी समूह की 10 में से 9 कंपनियों के शेयर के दामों में 2 से ढाई फीसदी की गिरावट भारतीय शेयर बाजार में देखने को मिली।

ऑर्गेनाइजेशन क्राइम एंड करप्शन की रिपोर्ट, दुनिया के दो बड़े प्रतिष्ठित अखबार द गार्जियन और द फाइनेंसियल टाइम्स में प्रकाशित हुई है। उसके बाद से भारत सहित दुनिया के कई देशों में इस रिपोर्ट से हड़कंप की स्थिति बन गई है। भारत के प्रमुख मीडिया ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। लेकिन सोशल मीडिया और यूट्यूब में बड़े पैमाने पर इस रिपोर्ट को लेकर चचार्एं हो रही हैं। इस रिपोर्ट में टैक्स हेवन देश में संबंधित कंपनियों की जानकारी उनके द्वारा किए गए लेनदेन और अडानी समूह के आंतरिक ईमेल का हवाला देते हुए जांच रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें रहस्यमय निवेशकों और ऑफशोर कंपनियों के बारे में बताया गया है, कि किस तरीके से शेयरों की खरीदी-बिक्री मैं धोखाधड़ी और गलत जानकारी देकर अवैध तरीके से कमाई की गई है। किस तरह से भारत से काला धन टैक्स हेवन देशों में भेजा गया। वही पैसा बाद में लौटकर भारत के शेयर बाजार में निवेश किया गया है।

ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन की रिपोर्ट में दावा किया गया है, कि अडानी परिवार के साथ निवेशक के रूप में नासिर अली शबान अहली और चेंग चुंग लिंग के लंबे समय से टैक्स हेवन देश की कंपनियों में दोनों के व्यापारिक रिश्ते हैं। विनोद अदानी जो गौतम अडानी के भाई हैं। उनकी कंपनियों के आपस में गहरे व्यापारिक रिश्ते हैं। कंपनी में बराबर की साझेदारी है। दस्तावेजों के परीक्षण करने के बाद जो रिपोर्ट तैयार की गई है। उसके अनुसार विनोद अदानी की कंपनी को निवेश में सलाह देने के लिए भुगतान किया गया है। विनोद अडानी की सलाह पर लगभग लगभग सारा निवेश गौतम अदानी समूह की कंपनियों में किया गया है।

सेबी ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर इस मामले में जांच की है। सेबी ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत कर दी है। लेकिन टैक्स हेवन देशों से आए हुए निवेश को लेकर जांच होनी थी। उसको लेकर सेबी ने अपनी रिपोर्ट में सुप्रीम कोर्ट में असमर्थता जताई है। सब जानकारी एकत्रित कर पाना उनके लिए संभव नहीं है। इसी बीच ऑर्गेनाइज्ड क्राईम एंड करप्शन की रिपोर्ट ने जो डिटेल प्रस्तुत कर दी हैं।उसको लेकर अदानी समूह की कंपनियों की परेशानी निश्चित रूप से बढ़ने जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसका असर पडना तय है। अदानी समूह भारत में तो इस जांच को प्रभावित कर सकता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे प्रभावित कर पाना मुश्किल होगा।अमेरिका और अन्य देशों में इस तरह के मामले में स्वतंत्र एजेंसी जांच करती हैं। वहां पर सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है। अदानी समूह का व्यापार कर्ज और निवेश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इसलिए इस तरह की किसी जांच से इनकार नहीं किया जा सकता है। अदानी समूह को अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों के सामने सभी दस्तावेज जमा करने होंगे। कहा जा रहा है कि अडानी समूह ने पिछले चार-पांच वर्षों में अपने व्यापार को जिस तरीके से बढ़ाया है। जिस तरीके से अकाउंट और निवेश को लेकर गलत दस्तावेज तैयार कर गड़बड़ियां की हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक जगत के शीर्ष में पहुंचने के लिए जो दौड़ लगाई थी। उसके कारण दुनिया भर के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट उनके पीछे पड़ गए हैं। आर्थिक जगत में इस तरह की धोखाधड़ी और कृत्रिम तरीके से शेयरों के रेट घटा-बढ़ाकर इसके पहले, कभी भी इस तरह की धोखाधड़ी नहीं हुई। बहरहाल जिस तरीके से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अदानी समूह की गड़बड़ियां सामने आई है।इसका असर निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में पडना तय माना जा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार आम निवेशकों के साथ-साथ बैंक और जीवन बीमा निगम जैसी संस्थाओं को भी इस खुलासे के बाद आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। अदानी समूह की कंपनियों में बैंकों का और भारतीय जीवन बीमा निगम का बहुत बड़ा निवेश है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ने जिस तरह के खुलाशे किए हैं। यह प्रमाणित हो जाते हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत बड़े संकट के दौर से गुजरना पड़ सकता है।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है। भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

आवारा कुत्तेः अदालत की चिंता का निकले हल

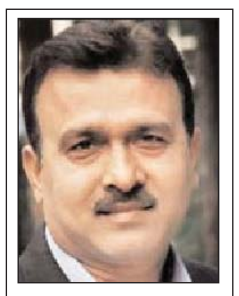

सुशील देव

जी 20 की तैयारियों को सरकार और दिल्ली प्रशासन को आवारा कुत्तों को लेकर चिंता बढ़ गई है। उनकी चिंता इस बात से भी है कि कहीं विदेशी मेहमानों के रास्ते में आकर ये कोई बाधा न बन जाएं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी यह ठीक नहीं होगा। आवारा कुत्तों की वजह से सड़कों पर कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं। हालांकि सरकार और प्रशासन के स्तर पर इस बाबत संज्ञान लिया गया है परंतु आवारा कुत्ते जी-20 के इस बड़े आयोजन के लिए एक प्रकार की चुनौती तो हैं ही। चंद दिनों बाद होने वाली जी-20 की बैठकों की वजह से आवारा कुत्तों के साथ बंदर भी सरकार, प्रशासन और सिविक संस्थाओं के लिए सिरदर्द बन गया है।

दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने एक तरफ जहां आवारा कुत्तों को पकड़कर कहीं दूर-दराज रखने का निर्णय लिया है, वहीं दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरकार और सिविक संस्थाओं को फटकार लगाई है। अदालत ने पशु कानूनों की अनदेखी पर चिंता जताई और निर्देश दिया है कि आवारा कुत्तों की नसबंदी या टीकाकरण का अभियान जारी रखा जाना चाहिए। उनकी आबादी को नियंत्रित करने और उन्हें रेबीज पीड़ित होने से बचाने के लिए पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ता) नियम, 2001 के तहत बनाए गए नियमों का अनुपालन किया जाना चाहिए।

मतलब साफ है कि इस आयोजन के निमित भी कुत्तों की संख्या कम करने के लिए लगातार नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम पर बल दिया गया है। दिल्ली शहर में पिछले कुछ वर्षों में आवारा कुत्तों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। अस्पतालों में इन दिनों कुत्ते के काटने के मामले अधिक देखे जा रहे हैं। इस वजह से अस्पतालों में उसके इंजेक्शन भी कम पड़ रहे हैं यानी भयावह दर से बढ़ रही कुत्तों की संख्या से आमजन परेशान हैं। हाई कोर्ट ने इसे महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक कार्य बताते हुए गंभीर कदम उठाने को कहा है। निःसंदेह, इससे अन्य राज्य सरकारों को भी सबक लेना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने इससे पहले भी कहा था कि आवारा कुत्तों को भोजन का अधिकार है और लोगों को उन्हें खिलाने का भी अधिकार है। मगर इन अधिकारों का प्रयोग करते समय यह भी ध्यान रखा जाना बहुत जरूरी है कि इससे कोई उपद्रव या उत्पीड़न ना हो। किसी की शांति में खलल न पड़े। कोर्ट ने यह भी कहा कि इन्हें सोसायटी, सड़कों या किसी सार्वजनिक स्थान पर सोच-समझकर खाना खिलाना चाहिए।

ज्ञात हो कि गली-मोहल्लों में आवारा कुत्तों का आतंक इतना बढ़ गया है कि लोगों का चलना दूभर हो गया है। बच्चे-बूढ़े या आम जन आए दिन इनके शिकार हो रहे हैं। कुत्तों के प्रति संवेदनशील होना जरूरी है। आखिर, उस बेजुबान की पालना कैसे होगी? हमें इसकी भी चिंता करनी चाहिए। मगर यह भी जरूरी है कि कुत्तों से होने वाली परेशानी से कैसे बचा जाए। पशु प्रेमियों का तर्क है कि लोगों ने ही कुत्तों को 'कटहा' या 'आक्रामक' बना दिया है। इसलिए वे हमला करते हैं। पशु प्रेमियों के पास उनके बचाव में कई प्रकार के तर्क हैं। इसलिए वे हर विरोधी तर्क को खारिज कर देते हैं। सच्चाई यह है कि इन समस्याओं के समाधान को लेकर किसी के पास कोई ठोस उपाय या जागरूकता नहीं है। तीन दिनों तक सेंट्रल दिल्ली लगभग बंद रखने की घोषणा से स्ट्रीट डॉग लवर सकते में आ गए हैं कि कैसे इन दिनों कुत्तों को खिलाया जाए। कई जगह इनके फीड प्वॉइंट्स बने हुए हैं, जहां उन्हें खाना पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। गोल मार्केट, मंडी हाउस, आईटीओ, कनॉट प्लेस, बंगाली मार्केट, एनजीटी, अकबर रोड या इंडिया गेट आदि में प्रायः आवारा कुत्तों को कुछ लोग नियमित भोजन देते हैं। उधर दिल्ली नगर निगम ने इस पर पुनर्विचार करते हुए कहा है कि कुत्तों को उठाना या उनकी नसबंदी करना एमसीडी के लिए नियमित कार्य है। मगर जी-20 शिखर सम्मेलन के कारण पिछली कार्ययोजना में उल्लेखित क्षेत्र से सभी कुत्तों को उठाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए उसने अपने कार्ययोजना को वापस लेने का फैसला किया।

वहीं 'पीपुल का एनिमल्स' ने भी राजधानी की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाने की योजना को अवैध और अनुचित करार दिया, जबकि एक सर्कुलर जारी कर कहा गया है कि कुत्तों के लिए बड़े पैमाने पर 30 अगस्त तक नसबंदी अभियान चलेगा। दिल्ली के जिन प्रमुख जगहों से कुत्तों को उठाया जा रहा है, जी-20 की बैठकों के बाद उन्हें वहीं छोड़ दिया जाएगा। यहां कुत्ते के काटने की समस्या से ज्यादा इन दिनों इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन को लेकर चिंता है, लेकिन इंसान के सबसे वफादार कहे जाने वाले जानवर का हिंसक होना भी अच्छी बात नहीं है। कई शहरों से कुत्तों के हमलों की खबर आती हैं। कभी बच्चों को शिकार बनाए जाने की खबर मिलती है तो कभी बुजुर्ग इनकी चपेट में आ रहे हैं। आखिर, कुत्ते अचानक इंसानों पर क्यों हमलावर हो रहे हैं? गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

चौपाल से दो दिन पूर्व गांव में चलाया जाय सफाई अभियान

जनप्रतिनिधियों को ग्राम चौपाल में अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाय: केशव प्रसाद मौर्य

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज आजमगढ़ जनपद के विकास खण्ड सठियांव की ग्राम पंचायत डिलिया में आयोजित ग्राम चौपाल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणो से मिलकर उनकी समस्याएं सुनी और विकास व निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत को भी परखा। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से वार्ता की।अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि गांवों के लोगों की समस्यायों का ग्राम में ही समाधान किया जाए, ताकि उन्हें तहसील, जिला और राज्य मुख्यालय न जाना पड़े।निर्देश दिए कि ग्राम चौपाल के आयोजन से पूर्व की मुनादी करायी जाय और व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराया जाए।कहा कि चौपाल से दो दिन पूर्व गांव में सफाई अभियान चलाया जाए और जनप्रतिनिधियों को ग्राम चौपाल में अनिवार्य रूप से आमंत्रित किया जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि गांव में चल रही विकास व निर्माण योजनाओं का निरीक्षण भी किया जाय तथा सोशल सेक्टर की योजनाओं की भी जमीनी हकीकत भी परखी जाय।कहा कि ग्राम व गरीब के विकास व उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं को पूरी गतिशीलता के साथ संचालित किया जाए। ग्राम चौपाल के निरीक्षण में बताया गया कि ग्राम पंचायत डिलिया में वर्ष 2023–24 तक कुल 39 आवास प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवंटित हुए, जिसमें 36 आवास पूर्ण हैं। शेष पर कार्यवाही चल रही है। ग्राम वासियों ने बताया कि कुल – 06 परिवार ऐसे हैं जिनके पास पक्का मकान नहीं है, सचिव ने इन सभी को चौपाल में ही आवास की पात्रता सूची मेंदर्ज कर लिया है।मनरेगा योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 के तहत 04 कार्य कराये गये हैं। सभी कार्य पूर्ण हो गये हैं। ग्राम वासियों से पूछने पर ग्राम वासियों ने बताया कि मनरेगा में कार्य करने वाले श्रमिकों को मजदूरी समय से प्राप्त होती है।सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत डिलिया में वृद्धावस्था पेंशन 83, दिव्यांग पेंशन 24 एवं निराश्रित महिला पेंशन 14 लोगों को प्राप्त हो रही है, जो नये पात्रता की श्रेणी में आये हैं उनका आवेदन कराया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत कुल 93 अन्त्योदय एवं कुल 322 पात्र गृहस्थी का कार्ड बना है। ग्राम वासियों ने बताया कि जोगिन्दर पुत्र शिवनाथ का राशन कार्ड नहीं बना है, अशोक कुमार पुत्र तेजू का राशन कार्ड कट गया है। सुरसती पत्नी झुलई के राशन कार्ड में झुलई का नाम नहीं अंकित है। मुराती पत्नी राजकुमार, कवि (9 वर्ष), राधिका (45 वर्ष) का नाम राशनकार्ड में दर्ज नहीं है।ग्राम वासियों ने बताया किश डिलिया से पाही जाने वाला चकमार्ग की पैमाइस हो गयी है, मिट्टी डलवाने का कार्य शेष है, इसी प्रकार शडिलिया से गूजरपार जाने वाले चकमार्ग पर पैमाइस के बाद मिट्टी पड़ने का कार्य शेष है।ग्राम वासियों ने बताया कि काली स्थान से धनई के घर तक आर०सी०सी० टूट गयी है, जिससे मार्ग में जलजमाव हो जाता है जो आवागमन में बाधा उतपन्न करता है, इसी प्रकार हरिहर के घर से तमसा नदी तक बनी नाली टूट गयी है जिससे पानी निकासी नहीं हो पा रही है, पतिराम के घर से अनूप के घर के पास तालाब तक नहीं है, प्रहलाद के घर से कब्रिस्तान तक खड़न्जा न होने से आवागमन में ग्राम वासियों को समस्या होती है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियो को निर्देश दिए कि ग्राम की सभी सार्वजनिक समस्याओं का निराकरण ठोस व प्रभावी रणनीति बनाकर किया जाय। निरीक्षण के दौरान जिले के उच्च प्रशासनिक अधिकारी , विकास विभाग के अधिकारी व भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

फ्लोअप....

पुलिस कमिश्नर से शिकायत के बाद मजदूर पिता पीड़ित बेटी संग घर वापस लौटा

पुलिस की कार्यशैली से नाराज होकर व आरोपियों की धमकी से सहमें मजदूर पिता ने पीड़ित बेटी व परिवार संग छोड़ दिया था घर पुलिस कमिश्नर से शिकायत पर मिला कार्यवाही का आश्वासन तो वापस घर लौटा परिवार,पुलिस ने कार्यवाही के लिये घर पहुंचकर दर्ज किये पीड़िता के बयान

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव के मजदूर की नाबालिग बेटी को बीते रविवार को दो बाइक सवार तीन युवको ने घर छोड़ने का झांसा देकर बाजार से लौटते समय अगवा कर निगोहां क्षेत्र के एक टावर के पास सुनसान स्थान पर ले जाकर बंधक बनाकर गैगरेंप करने के फांसी के फंदे से लटकाकर हत्या का प्रयास किया था,विफल होने पर मरणासन्न हालत में नाबालिक को गांव के बाहर छोड़कर आरोपी फरार हो गये, होश में आने पर पीड़ित ने अपने मजदूर पिता व बहनो से आपबीती बताई तो उनके होश उड़ गये थे,जिसके बाद पुलिस से पीड़ित पिता ने पूरे मामले की शिकायत की तो दारोगा ने मनमाफिक तहरीर लेकर गैगरेंप व हत्या के प्रयास की घटना को छिपाने में ले गयी थी,पूरे मामले का सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल होने पर पुलिस ने पीड़ित पिता द्वारा दी गयी तहरीर पर मुकदमा लिखने का दावा करते हुये तीन युवको को हिरासत में लेने की बात कही थी ओर पीड़िता द्वारा 161बयान दर्ज कराने पर दर्ज मुकदमें में धाराये बढाकर कड़ी कार्यवाही की बात कही थी,वही आरोपियों के परिजनो की धमकी से डरी सहमे मजदूर ने बेटियों समेत अपना घर छोड़ने के साथ ही मोबाइल बंद कर दिया था।जिसके बाद पुलिस दो दिनो तक पीड़िता व उसके परिजनो की तलाश में जुटी रही लेकिन कुछ भी पता ना चलने पर बीते गुरूवार को पुलिस ने पीड़िता के बंद घर पर 161 बयान दर्ज कराने के लिये नोटिस चस्पा किया था।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित किशोरी के 161 के दिये गये बयान के आधार पर दर्ज मुकदमें में धाराओ की बढोत्तरी कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस कमिश्नर से पीड़ित बेटी संग मिला मजदूर पिता,कार्यवाही की मांग

पुलिस की कार्यशैली से आहत व आरोपियों की धमकियोंः परेशान मजदूर ने पीड़ित बेटी समेत अन्य बच्चो संग बीते बुद्ववार को अपना घर छोड़ दिया था,जिसके बाद से किसी का कुछ भी पता नही चल पा रहा था,मजदूर पिता ने बताया शुक्रवार को उसने अपनी पीड़ित बेटी संग पुलिस कमिश्नर एस बी शिरोडकर के कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत कर बेटी के साथ दरिदंगी करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की।पुलिस कमिश्नर ने पीड़िता व पिता को आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही का भरोसा दिलाते हुये थाने जाकर 161 का बयान दर्ज कराने की बात कही।पुलिस कमिश्नर के आश्वासन के बाद पीड़ित बेटी संग मजदूर पिता अपने बच्चो संग शुक्रवार की दोपहर घर लौटा जिसके बाद विवेचक ने महिला कास्टेबंल के बाद पीड़िता के घर पहुंचकर 161 का बयान दर्ज किया।

उद्यान मंत्री ने सेवानिवृत्त निदेशक डॉ0 आर0के0 तोमर को दी भावभीनी विदाई

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को उद्यान भवन सभागार में आयोजित विदाई समारोह मेंसेवानिवृत्त उद्यान निदेशक डॉ0 आर0के0 तोमर को भावभीनी विदाई दी। उन्होंने इस अवसर पर उद्यान निदेशक द्वारा उनके सेवाकाल में किये गये उत्कृष्ट कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने सेवानिवृत्त डॉ0 आर0के0 तोमर के उज्ज्वल भविष्य की ईश्वर से प्रार्थना की।उद्यान मंत्री ने कहा कि उद्यान विभाग का प्रत्येक कार्मिक मेरे परिवार का सदस्य है। कार्मिकों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्मिक पूर्व उच्चाधिकारियों के कार्यों एवं अनुभवों का अनुसरण करते हुए उद्यान विभाग की योजनाओं को अधिक से अधिक जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करें।इस अवसर पर उद्यान विभाग के अपर निदेशक डॉ0 अतुल सिंह, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहित विभागीय कार्मिक उपस्थित थे।

विशेष शिविर में पहले दिन आये 12 आवेदन

शमन मानचित्र के 04 प्रकरण हुये स्वीकृत

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ ।लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर दिनांक–01.09.2023 से 15.09.2023 तक प्राधिकरण भवन में लगेगा कैम्प लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा जन सामान्य की सहूलियत के लिए आज दिनांक– 01.09.2023 से 15 दिवसीय विशेष शिविर की शुरूआत की गयी। इस शिविर में शमन मानचित्रों के निस्तारण के साथ ही भूखण्डों को समेकित अथवा उप–विभाजन के लिए भी आवेदन प्राप्त किये जाएंगे। इसके अलावा अनियोजित क्षेत्र में मुख्य मार्गों पर प्रस्तावितः शमन मानचित्रों का निर्धारित नियम व शर्तों के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। मुख्य नगर नियोजक के0के0 गौतम ने बताया कि उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हॉल में विशेष शिविर आयोजित किया गया, जोकि दिनांक–15.09.2023 तक जारी रहेगा। शुक्रवार को कैम्प के पहले दिन कुल 12 आवेदन प्राप्त किये गये, जिनमें से 10 प्रकरण शमन मानचित्र के थे, जबकि दो प्रार्थना पत्र एक से अधिक भूखण्डों को समेकित किये जाने के सम्बंध में थे। इसमें नियमानुसार कार्यवाही करते हुए शमन मानचित्र के 04 प्रकरण स्वीकृत किये गये, जिससे प्राधिकरण को लगभग 60 लाख रूपये की आय होगी। वहीं, शमन मानचित्र के शेष प्रकरणों में कार्यवाही प्रचलित कर दी गयी है। इसके अलावा भूखण्डों को समेकित किये जाने के सम्बंध में प्रार्थना पत्र देने आये लोगों को कैम्प में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा नियम व शर्तों की पूरी जानकारी दी गयी। जिस पर आवेदकों ने एक सप्ताह के अंदर मानचित्र जमा करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि इस 15 दिवसीय शिविर में समस्त सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी एक ही पटल पर उपस्थित रहेंगे तथा जन सामान्य द्वारा प्राप्त कराये जाने वाले प्रार्थना पत्रों का समयबद्व तरीके से निस्तारण सुनिश्चित कराएंगे।

राज्य सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने दी जन सूचना अधिकारी को रुपये ढाई करोड़ अर्थदंड की चेतावनी जो नियम विरुद्ध

एक्टिविस्ट जितेन्द्र बहादुर सिंह ने सूचना आयुक्त पर लगाया गम्भीर आरोप

लखनऊ संवाददाता।

लखनऊ स राज्य सूचना आयोग में अपीलों व शिकायतों पर कितनी गंभीरता के साथ सुनवाई की जाती है इसकी पोल एक मामले से खुल गई है । एक अपील की सुनवाई में राज्य सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने एक जन सूचना अधिकारी को दिनांक 26–04–2023 को 2.50.18300ध– करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाने की चेतावनी दे डाली है । जो अब प्रकाश में आया है और चर्चा का विषय बना हुवा है

आरटीआई एक्ट 2005 की धारा 20 (1) के अनुसार आयोग के पास 250ध– रुपये प्रतिदिन के हिसाब से अधिकतम 25 हजार रुपये से ज्यादा का अर्थदंड लगाने का अधिकार ही नहीं है । इस सम्बन्ध में आरटीआई एक्टिविस्ट एवं सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा की सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने 2.50.18300ध– करोड़ रुपये का अर्थदंड लगा के अधिनियम का खुला उल्लंघन करते हुवे अपने अधिकारों का गलत इस्तिमाल किया है स और इस प्रकार जन सूचना अधिकारी पर दबाव बनाने के उद्देश्य से किया गया है। लखनऊ निवासी हरपाल सिंह ने बताया की उनके द्वारा दिनांक 15 जुलाई 2020 को अधिशासी अभियंता–1, नलकूप खंड प्रथम लखीमपुर खीरी के जन सूचना अधिकारी से जनता की कितनी शिकायतें आईं और कितनी शिकायतों का निस्तारण किया गया। साथ ही अवर अभियंता के वर्तमान वेतनमान क्या है सहित 10 बिंदुओं पर सूचनाएं मांगी थी । सूचना न मिलने पर उन्होंने राज्य सूचना आयोग में दूसरी अपील धारा 19 (3) के तहत दायर की थी। जिसकी सुनवाई सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही के द्वारा सुनी जा रही थी तब सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने सूचनाएं न देने पर 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 2.50.18300ध– करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाने की चेतावनी देते हुए राज्य सूचना आयुक्त हर्षवर्धन शाही ने 15 सितंबर 2023 को जनसूचना अधिकारी को संबधित अभिलेख/ सूचना लेकर आयोग में पेश होने के निर्देश दिया है ।

फर्जी भूस्वामी बनाकर जमीन की रजिस्ट्री कराने में छह पर रिपोर्ट

पाटन (ब्यूरो)। फर्जी भूस्वामी बना करके बैनामा कराने के मामले में पुलिस ने महिला की शिकायत पर छह के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। बिहार थानाक्षेत्र के ग्राम धुआंधार निवासी बुद्धीलाल की पत्नी प्रेमलता ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि ग्राम मानपुर में स्थित भूमि की खतौनी में शिवशंकर निवासी मानपुर का नाम खतौनी में सह खातेदार के रूप में दर्ज था। जिसका बैनामा उसने नन्हेलाल पासी निवासी गढ़ाकोला कोतवाली पुरवा तहसील बीघापुर के कहने पर 5.48 लाख रुपये में क्रय कराया था। कुछ दिन बाद उसे पता चला कि बैनामाकर्ता शिव शंकर फर्जी [redacted] से [redacted] बैना[redacted]

विराट रुद्र महायज्ञ के पहले महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

मोहनलालगंज ।निगोहां के हरिहरपुर पटसा गांव में शुक्रवार से विराट रुद्र महायज्ञ आरंभ हुआ। जिसमे हजारों की संख्या में भक्त उपस्थित हुए, वहीं सैकड़ों की संख्या में महिलाओ ने यज्ञ मंडप में कलश स्थापित भी किए ।यज्ञ सम्राट स्वामी शिवभुवन पांडेय ने बताया कि रुद्र महायज्ञ 1 सितंबर से 8 सितंबर तक किया जाएगा। प्रतिदिन सायंकाल श्रीराम कथा का रसपान भक्तो को कराया जायेगा। सोमवार के दिन कलश शोभा यात्रा निकाली गई ।पटसा गांव से कार व बाइक पर भगवा झंडे लगा कर हर हर महादेव का जयघोष करते हुए भक्तो ने शोभायात्रा निकाली, वहीं सैंकड़ें महिलाओ ने भी सिर पर कलश रखकर नया खेड़ा,अघईया गांव होते हुए भंवरेश्वर मंदिर पहुंचकर सई नदी से जल लेकर पटसा गांव में बने यज्ञ मंडप में कलश स्थापित किए, 8 सितंबर को पूर्ण आहुति के साथ ही भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में प्रधान प्रतिनिधि प्रद्वीप द्विवेदी, प्रधान निगोहां अभय दीक्षित पूर्व प्रधान अजय सिंह,राजू दीक्षित, विकास शुक्ला, अचल प्रजापति, लालता साहू,पप्पू मिश्रा, समस्त यज्ञाचार्य सहित हजारों भक्तगण उपस्थित रहे।

पत्नी को प्रताड़ित करने वाले पति समेत छः के विरूद्व मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज के भदेसुवा मजरा मंसबखेड़ा निवासी रुपाली ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया 28अक्टूबर2020 को उसका विवाह प्रियम यादव से आर्य समाज मंदिर में हुआ था,कुछ दिन तो सब ठीक रहा लेकिन उसके बाद पति प्रियम आये दिन अत्यधिक नशा कर घर आने लगे,उसने पति को नशा करने से मना किया तो पति प्रियम ने सास शान्ती देवी,ननद संध्या,नंदोई आकाश दीप,ननद रोशनी,साहनी,मोहिनी के साथ मिलकर उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी,जिसके बाद आये दिन प्रताड़ित करने के साथ उसके साथ मारपीट करने लगे।आरोपी पति समेत ससुरालनीजन मायके से दहेज में पांच लाख रूपये,कार सोने की चौन लाने की मांग करने लगे ओर ना लाने पर जान से मारने की धमकी दी।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति,सास समेत छः लोगो के विरूद्व दहेज प्रथा,मारपीट,जान से मारने की धमकी की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

शराब के नशे में धुत दबंगो ने युवक को पीटा,मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज के भसंडा मजरा मोहनलालखेड़ा गांव निवासी दीपक कुमार ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया बीते बुद्ववार की देर रात शराब के नशे में धुत विजय कुमार यादव अपने भाई विनोद कुमार यादव व सौरभ कुमार के साथ घर के अंदर घुसकर छोटे भाई देवेश के साथ मारपीट करने के बाद घर के बाहर खड़े होकर भद्दी भद्दी गालिया देने के साथ ईट गुम्मे चलाये।पुलिस कन्ट्रोल रूम पर सूचना देने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकलें।सूचना के बाद मौके पर पहुंची घायल को इलाज के लिये सीएचसी लेकर गयी।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर पर तीन आरोपियों के विरूद्व घर में घुसकर मारपीट,जान से मारने की धमकी की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी हैं।

पत्नी की पिटाई के बाद मोबाइल तोड़कर घर से भगाया

मोहनलालगंज ।परवर–पश्चिम मजरा मेड़ईखेड़ा निवासी लक्ष्मी ने बताया सात साल पहले उसका विवाह अर्जुनगंज के साईखेड़ा निवासी अजीत शर्मा उर्फ भोलू से हुआ था,जिसके बाद से पति आये दिन प्रताड़ित करने के साथ मारपीट करने लगा.बीते बुद्ववार को दिन में एक बजे के करीब पति अजीत ने सास राजकुमारी,ननंद ज्योति,नंदोई निर्मल के साथ मिलकर बुरी तरह पिटाई कर उसके पैसे फाड़ने के साथ मोबाइल भी तोड़कर घर से भगा दिया।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़िता की तहरीर पर पति समेत चार के विरूद्व मारपीट,तोड़फोड़ समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

कुर्क जमीन पर लगा बोर्ड उखाड़ने वाले दो पर मुकदमा दर्ज,एक गिरफ्तार

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कोराना गांव में स्थित विवादित जमीन को न्यायालय डीसीपी दक्षिणी ने 16मई को कुर्क करने का आदेश दिया था,जिसके क्रम में पुलिस ने उक्त जमीन को कुर्क करते कुर्की का बोर्ड लगाया था,लेकिन न्यायालय की अवमानना करते हुये विपक्षी बाबू व मोती निवासी कोराना थाना मोहनलालगंज ने बीते रविवार को कब्जा करने की नियत से उक्त जमीन पर पुलिस द्वारा लगाया गया कुर्की का बोर्ड उखाड़कर फेंक दिया था।जमीन मालिक देवेन्द्र कुमार ने पूरे मामले की पुलिस से लिखित शिकायत कर बोर्ड उखाड़ने वालो के विरूद्व कार्यवाही की मांग की थी, लेकिन कोई कार्यवाही नही हुयी,जिसके बाद देवेन्द्र कुमार ने एडीसीपी दक्षिणी शंशाक सिहं से मिलकर पूरे मामले की शिकायत कर कार्यवाही की मांग की।एडीसीपी ने पूरे मामले को गम्भीरता से लेते हुये इंस्पेक्टर मोहनलालगंज को जांच कर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये थे।जिसके बाद हल्का दारोगा संतोष कुमार सिहं ने मौके पर पहुंचकर जांच में आरोप सही पाये थे।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्या ने बताया न्यायालय के आदेश की अवमानना कर कुर्की का बोर्ड उखाड़ने वाले दो आरोपियों पर जांच के बाद उपनिरीक्षक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी बाबू को गिरफ्तार किया गया हैं।

साराय पांडे में नवनिर्मित गोवंश स्थल का उपजिला अधिकारी ने किया लोकार्पण

हैदर गढ़ बाराबंकी ।आज शुक्रवार को वि.ख.त्रिवेदीगंज की ग्राम पंचायत सराय पाण्डेय में नवनिर्मित गोवंश आश्रय स्थल का उप जिलाधिकारी सुमित महाजन के साथ फीता काट कर लोकार्पण किया। पशुचिकित्साधिकारी डा.ओ.पी.सिंह के संचालन व खण्ड विकास अधिकारी सुश्री अदिति श्रीवास्तव की अध्यक्षता में ग्राम प्रधान सराय पाण्डेय विजय बहादुर वर्मा "मुन्नू ठेकेदार" द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुये उपस्थित क्षेत्रवासियोंसे गोवंश आश्रय स्थल के संचालन में सहयोग की अपील किया व शीघ्रता से किये गये निर्माण हेतु ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारी, तकनीकी सहायक, रोजगार सेवक सहित सभी कर्मचारियों को बधाईभ देकर उत्साहवर्धन किया।इस अवसर पर प्रधान अन्य रहे नीरज वर्मा, प्रधान इलियासपुर नन्हा प्रसाद वर्मा, प्रधान मकनपुर मायापति वर्मा, कमल सिंह चौहान, गुड्डू वर्मा, संतोष वर्मा सहित काफी संख्या में क्षेत्रवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही संचालन की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख सुनिल कुमार सिंह व अवर अभियन्ता लच्छीराम चौहान सभी उच्च अधिकार वही पर स्थित मे रहे

आज की आवश्यकता
सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्धक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

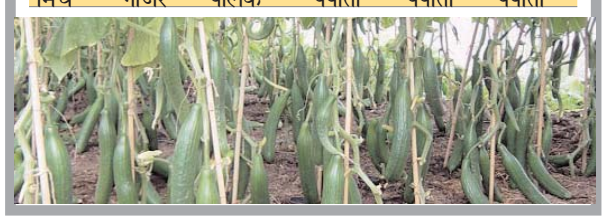

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्धता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर
में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है । दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्र + थायरम 50त्र के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे:- पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्र की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे :- पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है: सुष्मिता

बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने सीरिज आर्या में अपने ऑन-स्क्रीन भाई-बहन के रिश्ते के बारे में कहा कि रक्षाबंधन एक उत्सव है, जहां आप इम्परफेक्ट बॉन्ड साझा करते हैं, मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। एक-दूसरे का सपोर्ट करने से लेकर सबसे मूर्खतापूर्ण चीजों पर लड़ने तक, भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है।

सुष्मिता ने कहा कि सीरिज आर्या में निभाए गए अंकुर भाटिया के साथ भाई-बहन के रिश्ते का ऐसा ही एक जटिल पहलू हमने सीरीज आर्या में देखा। हालांकि, आर्या (सुष्मिता) और संग्राम (अंकुर) के बीच भाई-बहन का अच्छा रिश्ता नहीं है, लेकिन एक-दूसरे के लिए प्यार और देखभाल अटूट है। इसके बारे में सुष्मिता ने कहा, भाई-बहन के रिश्तों को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। वे लड़ते हैं, वे सुलह करते हैं, वे फिर से लड़ते हैं, यह चलता रहता है जिसका हम सभी आनंद लेते हैं। आर्या और संग्राम के बीच का बंधन ऐसा नहीं है, लेकिन उनके रिश्ते के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि उन्होंने अपने कड़वे रिश्ते को स्वीकार किया है और एक-दूसरे के लिए अपने प्यार को जाने नहीं दिया है।

रक्षाबंधन का बिल्कुल यही मतलब है। एक्ट्रेस ने कहा, एक उत्सव जहां आप इस इम्परफेक्ट बॉन्ड को अपनाते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। बता दें कि सीरिज आर्या एक क्राइम-थ्रिलर ड्रामा है, जो राम माधवानी और संदीप मोदी द्वारा सह-निर्मित है, जिन्होंने सीरीज का निर्देशन भी किया है, जबकि विनोद रावत सह-निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं।

हिरानी के साथ आमिर की अगली फिल्म दिसंबर 2024 में आयेगी

फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी के साथ अभिनेता आमिर खान की अगली फिल्म क्रिसमस पर रिलीज होगी हालांकि अभी तक इसका नाम नहीं रखा गया है। हाल ही में फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। इसी के साथ आमिर अभिनय में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं। यह अक्षय कुमार की वेलकम 3 के साथ टकराएगी।

इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है और यह 20 जनवरी, 2024 को फ्लोर पर जाएगी। आमिर खान ने अगली फिल्म के लिए दिसंबर 2024 को तय किया है।आमिर खान प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन नंबर 16 ने अभी शीर्षक तय नहीं किया है पर कहा जा रहा है कि 20 दिसंबर 2024 क्रिसमस 2024 को ये रिलीज होगी। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जारी है और फिल्म 20 जनवरी 2024 को फ्लोर पर जाएगी।अधिक जानकारी जल्द ही मिलेगी।

लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया। इस अभिनेता ने पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा था, मैंने अभी तक कोई फिल्म करने का फैसला नहीं किया है। मैं अभी अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं। मैं इसके बारे में अच्छा महसूस कर रहा हूं क्योंकि मैं अभी यही करना चाहता हूं। मैं निश्चित तौर पर तभी फिल्म करूंगा जब मैं भावनात्मक रूप से तैयार हो जाऊंगा। अक्षय की वेलकम 3 का नाम कथित तौर पर वेलकम टू द जंगल रखा गया है।

हाल ही में फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने हाल ही में आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। आमिर खान और हिरानी काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे के साथ फिल्म करना चाह रहे है, लेकिन अबतक ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था जिसपर दोनों की सहमति बनी हो। हालांकि अब लगता है दोनों को एक ऐसी स्क्रीप्ट मिल गई है जिसपर दोनों की सहमति बन गई है। हिरानी ने आमिर के साथ एक बायोपिक बनाने का फैसला किया है।

क्या जाह्नवी ने गुपचुप तरीके से की सगाई?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहता है। अपने फिल्मी करियर में जाह्नवी का नाम कई लोगों संग जुड़ जाता है। इन दिनों जाह्नवी कपूर शिखर पहाड़िया संग डेटिंग की खबरों को लेकर छाई हुई है। जाह्नवी और शिखर पहाड़िया अक्सर साथ में टाइम स्पेंड करते हुए नजर आते रहते हैं। हाल ही में जाह्नवी अपने कथित बॉयफ्रेंड संग तिरुपति बालाजी मंदिर दर्शन करने भी पहुंची थीं। वहीं अब खबरें सामने आ रही है कि दोनों का रिश्ता एक कदम आगे बढ़ चुका है। दअरसल, खबरें वायरल हो रही है कि जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया संग गुपचुप सगाई कर ली है। इस बात की चर्चा तब शुरू हुई जब तिरुपति मंदिर से जाह्नवी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में जाह्नवी पर्पल और सिल्वर कलर की साड़ी पहने नजर आ रही थक्षं। इस दौरान जाह्नवी ने रिंग फिंगर में डायमंड की रिंग भी पहनी हुई थी। वहीं शिखर पहाड़िया ट्रेडिशनल व्हाइट वेष्टि और अंगवस्त में दिखाई दिए। जाह्नवी की रिंग फिंगर में अंगूठी नजर आने के बाद यूजर्स अंदाजा लगा रहे हैं कि उन्होंने सीक्रेट सगाई कर ली है। यूजर्स सोशल मीडिया पर कमेंट करके इसकी चर्चा कर रहे थे। लेकिन अब जाह्नवी की अंगूठी के पीछे का सच भी सामने आ गया है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार एक सोर्स ने जाह्नवी जान्हवी कपूर अकसर अपनी मां श्रीदेवी की जयंती पर उन्हें सम्मानित करने के लिए तिरुमाला मंदिर जाती हैं। लेकिन इस साल वो 13 अगस्त को मंदिर नहीं जा सकीं, क्योंकि वो भोपाल में अपनी फिल्म उलझ की शूटिंग कर रही थीं। शूटिंग से लौटने के बाद, उन्होंने मंदिर का दौरा ज़रूर किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अंगूठी समेत अपनी मां के गहने पहने थे। उनकी सगाई की अफवाहें पूरी तरह से बकवास हैं। जाह्नवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके पास कई प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। वह जल्द ही राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेस माही' में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास जूनियर एनटीआर के साथ 'देवरा' और अक्षय कुमार के साथ 'बड़े मिया छोटे मिया' भी है।

नॉट रमैया वस्तावैया गाने का फुल वर्जन जारी

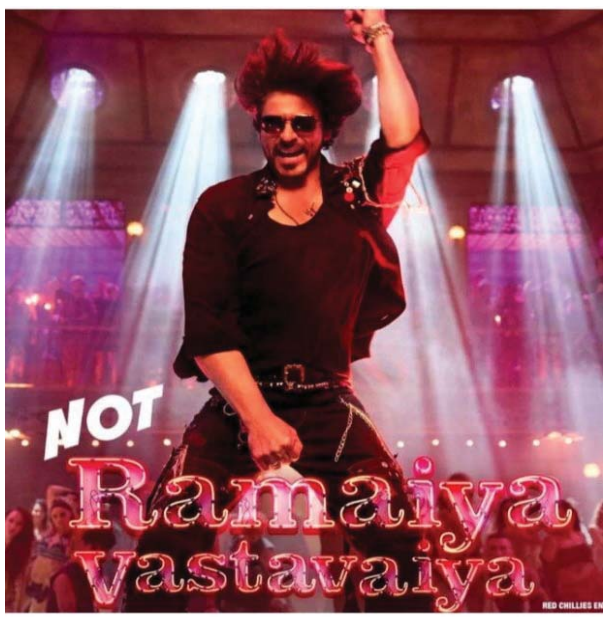

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान ने हाल ही हिंदी, तमिल और तेलुगु में नॉट रमैया वस्तावैया गाने का फुल वर्जन जारी किया है। गाने पर शाहरुख खान साउथ सुपरस्टार नयनतारा के साथ स्टेज पर धमाल मचाते नजर आ रहे हैं। इस गाने में बेहतरीन साउंड डिजाइन के साथ बूमिंग प्रोडक्शन है। इलेक्ट्रॉनिक, टेक्नो, फिल्म म्यूजिक, ईडीएम, थोड़ा सा लोक और आइटम नंबर्स का मिश्रण नॉट रमैया वस्तावैया फ्लोर ट्रैक पर एक प्योर डांस है। शाहरुख खान को एक्ट्रेस नयनतारा और कुछ अन्य बैकअप डांसर्स के साथ फ्लोर पर नाचते हुए देखा जा सकता है। सभी स्वैग, ग्रूव और एटीट्यूड से भरपूर, शाहरुख खान एक परफेक्ट डांस ट्रैक लेकर आए हैं, जो लोगों को जवान के ट्रेलर के लिए और अधिक उत्साहित कर रहा है। बता दें कि । गाना नॉट रमैया वस्तावैया में राज कपूर की लीजेंडरी फिल्म श्री 420 के आइकॉनिक ट्रैक को मॉडर्न टच दिया गया है, लेकिन यह अभी भी अपनी खुद की यूनिट है और सिर्फ एक रीमिक्स होने के बजाय, इसका रीमेक पूरी तरह से कुछ और है।

शाहिद ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें की पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें पोस्ट की। प्रथम फोटो में वह तैयार होते नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में वह पगड़ी ठीक करवा रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में शाहिद पिता पंकज कपूर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। शाहिद ने ब्लैक कलर का कुर्ता और क्रीम कलर की पगड़ी पहनी हुई है। जबकि, उनके पिता पंकज कपूर ने वाइट शर्ट और पगड़ी के साथ कोट पहना हुआ है। फोटोज को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, पिताजी हमेशा कहते हैं घर पर शादी होगी तो पग पएगा ना। वर्कफ्रंट की बात करें तो, शाहिद को आखिरी बार अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म ब्लडी डैडी में देखा गया। इसमें संजय कपूर, डायना पेंटी, रोनित रॉय, राजीव खंडेलवाल, अंकुर भाटिया और विवान भटेना भी हैं। यह 2011 की फ्रांसीसी फिल्म स्लीपलेस नाइट का रूपांतरण है।

रसिका दुग्गल निभाना चाहती हैं पर्दे पर अमृता प्रीतम का किरदार

रसिका दुग्गल ने अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाई है। एक्ट्रेस को वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से जबरदस्त लोकप्रियता मिली है। हाल ही में रसिका दुग्गल ने सिल्वर स्क्रीन पर कवयित्री-लेखिका अमृता प्रीतम का किरदार निभाने की इच्छा जताई है। रसिका दुग्गल ने कहा, मेरे ख्याल से अमृता प्रीतम का लेखन एक ही सांस में रोमांस और क्रांति की बात करता है। उनके शब्दों में एक उदासी है, एक चाहत है, एक जुनून है, एक शांत गुस्सा है, एक सवाल है और एक कल्पना है जो कभी भी अपने बारे में सचेत नहीं होती है और इसलिए दिल में घर कर जाती है। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनकी कविता से बहुत प्रभावित हुयी हूं और उनकी जीवनियों से बहुत प्रभावित से भी। यहां एक महिला है जिसने अपनी शर्तों पर जीवन जिया- अपने जोश और जुनून को स्वीकार किया और निडर होकर उनका पालन-पोषण किया। यदि उनके बारे में कोई फिल्म बनी तो उन्हें चित्रित करने का अवसर मिलना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो रसिका दुग्गल जल्द ही दिल्ली क्राइम के तीसरे सीज़न में नीति सिंह के रूप में दिखाई देगी। इसके अलावा, वह मिर्जापुर की बहुप्रतीक्षित तीसरे सीक्वल में बीना त्रिपाठी के रूप में लौटने के लिए तैयार हैं। वह लिटिल थॉमस, लॉर्ड कर्जन मेंशन, स्पाइक, फेयरी फोक और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स में भी दिखाई देंगी।

चाकू से गोदकर युवक को उतारा मौत के घाट, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली के हर्ष विहार में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सलमान उम्र 25 वर्ष पुत्र रौनक के रूप में हुई है, जो यूपी के बुलंदशहर के ग्राम लखावटी का रहने वाला था। युवक के पेट में चाकू के कई घाव हैं। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मृतक मीत नगर फाटक, ज्योति नगर के पास पानी की रेडी चलाता था। रात करीब साढ़े 10 बजे उनकी मां से बात हुई। इसके बाद उनसे संपर्क नहीं हो सका। उसका फोन और वॉलेट गायब है। उनकी पत्नी और बेटा गांव में रहते हैं।

डीसीडब्ल्यू ने एसिड अटैक पीड़िता का दिल्ली के एक कॉलेज में कराया दाखिला

नई दिल्ली। गाजियाबाद । तहसील सदर गाजियाबाद परिसर में अधिवक्ता के दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या करने के मामले का गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मरने वाले अधिवक्ता के जीजा, उसके छोटे भाई एवं दोस्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या का कारण पूरी तरह से पारिवारिक रंजिश के कारण सुनियोजित ढंग से हत्या करना बताया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तमंचा तथा जिस गाड़ी में यह लोग पुलिस से बचने के लिए घूम रहे थे उसको बरामद कर लिया है। वह गाड़ी भी बरामद कर ली गयी है जिसमे ये तहसील पहुंचे थे। आरोपित जीजा भी अधिवक्ता है जो नोएडा में प्रैक्टिस करता है।पुलिस संयुक्त आयुक्त दिनेश कुमार पी. ने गुरुवार को पुलिस लाइन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपितों को अदालत में पेश किया गया जहां से सभी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि बुधवार को अपराह्न करीब 1:45 बजे अधिवक्ता मोनू उर्फ मोनू चौधरी की उस समय गोली मार कर हत्या कर दी गई थी जब वह खाना खा रहे थे।

पुलिस ने हत्याकांड के बाद और रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामले की जांच पड़ताल की और आज मोनू उर्फ मनोज चौधरी के जीजा अमित डागर उसके छोटे भाई नितिन डागर और दोस्त अनुज उर्फ पालू को गिरफ्तार कर लिया। नितिन और अमित चिरंजीव विहार में रहते हैं जबकि तीसरा अभियुक्त अनुज उर्फ पालू मधुबन बापूधाम में रहता है। बुधवार दोपहर अमित एवं नितिन और अनुज ब्रेजा गाड़ी से तहसील पहुंचे और दो लोग मोनू चौधरी के चेंबर के बाहर खड़े रहे जबकि तीसरी नितिन कुमार ने कनपटी से सटकर मोनू उसे मनोज की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए।

पुलिस संयुक्त आयुक्त ने बताया कि इस हत्याकांड का कारण पूरी तरह से पारिवारिक रंजिश रहा है। मोनू और मनोज चौधरी के पिता यूपी पुलिस में सब इंस्पेक्टर थे और गाजियाबाद में भी तैनात रहे हैं। मनोज उनका इकलौता बेटा था। मोनू की बहन सरिता की शादी 2001 में चिरंजीव विहार निवासी अमित डागर के साथ हुई थी। सरिता को उसे एक बेटा और बेटी भी हुए। इस दौरान अमित ने दो संपत्ति भी सरिता डागर के नाम खरीदी थी। एक संपत्ति चिरंजीव विहार में जबकि दूसरी दुहाई में है, जिनकी कीमत लाखों में है।

डीसीडब्ल्यू ने एसिड अटैक पीड़िता का दिल्ली के एक कॉलेज में कराया दाखिला

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने एक एसिड अटैक पीड़िता का दिल्ली के एक प्रमुख विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में दाखिला करवाया। 14 दिसंबर 2022 को दिल्ली के द्वारका इलाके में एक 17 साल की लड़की स्कूल जा रही थी तभी दो बाइक सवारों ने उस पर एसिड फेंक दिया।

इस संबंध में एफआईआर दर्ज की गई थी। लड़की एसिड अटैक के कारण अस्पताल में भर्ती रही थी। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। डीसीडब्ल्यू ने लड़की से मुलाकात की और उसका सहयोग करने के लिए लगातार परिवार के संपर्क में रहा। लड़की एक उत्कृष्ट छात्रा है। उसने अपने ऊपर हुए हमले को अपनी पढ़ाई के आड़े नहीं आने दिया। उसने कड़ी मेहनत की और अपनी सभी परीक्षाएं उत्तीर्ण कीं। हाल ही में डीसीडब्ल्यू को पीड़िता से दिल्ली के एक प्रमुख विश्वविद्यालय में प्रवेश के संबंध में शिकायत मिली। लड़की ने बताया कि उसे दिल्ली के एक अग्रणी विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज में एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम में प्रवेश के लिए चुना गया था। कॉलेज में उसका प्रवेश रद्द कर दिया गया था क्योंकि वह अपना ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र समय पर प्रस्तुत नहीं कर सकी थी।

जी-20 शिखर के लिए 'बुलेटप्रूफ' हुई दिल्ली, 'मेहमानों' के आने-जाने पर कमरों में बंद कर दिया जाएगा होटल स्टाफ

नई दिल्ली। नई दिल्ली, राकेश कुमार सिंह। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले 29 देशों के राष्ट्राध्यक्षों व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारियों की सुरक्षा की तैयारी में सभी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां व दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट दिन-रात एक करके जुटी हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति समेत कुछ राष्ट्राध्यक्षों के कमरे हुए बुलेटप्रूफ

सम्मेलन में भाग लेने आने वाले अमेरिका आदि कुछ प्रमुखों देशों के राष्ट्राध्यक्ष जिन होटलों में ठहरेंगे वहां के सुइट की सभी खिड़कियों में बुलेटप्रूफ शीशे लगा दिए गए हैं। साथ ही उस एरिया के कुछ हिस्सों को भी बुलेटप्रूफ शीशों से घेराव कर दिया गया है।

सुरक्षा में कहीं कोई चूक न हो इसके लिए सुरक्षा यूनिट ने सभी केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर पूरी क्षमता के साथ रिहर्सल शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को रिहर्सल के दौरान ही एनएसजी ने नई दिल्ली जिले स्थित ली मेरिडियन होटल की छत पर सुबह करीब 11.30 बजे हेलीकॉप्टर उतारा।

हर होटल पर नहीं बना है हेलीपैड

पुलिस अधिकारी का कहना है कि नई दिल्ली के किसी भी होटल की छत पर हेलीपैड नहीं बने हैं। ट्रायल के तौर पर एनएसजी ने ली मेरिडियन की छत पर हेलीकॉप्टर उतारा। पुलिस अधिकारी का कहना है कि एनएसजी कुछ अन्य होटलों पर भी हेलीकाप्टर उतारने का प्रयास करेगी।

होटल के पुराने कर्मियों को नहीं हटाया जाएगा

जिन 23 होटलों में राष्ट्राध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी ठहरेंगे उन होटलों में होटल प्रबंधन ने निजी सुरक्षा गार्ड से लेकर अन्य तरह के करीब 20-30 प्रतिशत कर्मचारी बढ़ा दिए हैं। होटलों में काम करने वाले

पुराने कर्मी जो होटलों में रहते हैं, उन्हें नहीं हटाया जाएगा। उन्हें अच्छी तरह से ब्रीफ कर दिया गया है। जिस वक्त होटलों में राष्ट्राध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी आवागमन करेंगे उस दौरान कर्मचारियों को कमरे के अंदर बंद कर दिया जाएगा। सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर नहीं निकलने दिया जाएगा।

आज से शुरू हो जाएगी होटल नियंत्रण में लेने की प्रक्रिया

पुलिस अधिकारी का कहना है कि पिछले 15 दिनों से सभी एजेंसियां अपने-अपने स्तर पर होटलों का निरीक्षण कर रही हैं। स्थानीय पुलिस की तैनाती कर दी गई है। शुक्रवार से सुरक्षा यूनिट धीरे-धीरे सभी 23 होटलों को अपने कब्जे में लेना शुरू करेगी। दो तीन दिनों के अंदर सभी होटलों को कब्जे में ले लिया जाएगा।

होटलों के अंदर व बाहर मल्टी एजेंसियों की तैनाती रहेगी। सभी होटलों में एनएसजी की भी तैनाती रहेगी। सभी होटलों की छतों पर एंटी एयरक्राफ्ट गन रखी जाएगी। एंटी ड्रोन सिस्टम पहले ही लगा दिए गए हैं। छतों पर पैरा मिलिट्री के कमांडो दूरबीन व अत्याधुनिक हथियारों के साथ तैनात रहेंगे।

हर होटल में एक-एक डीसीपी की रहेगी राउंड द क्लॉक तैनाती

सभी होटलों में एक-एक डीसीपी की 24 घंटे राउंड द क्लॉक तैनाती रहेगी। उन्हें वेन्यू कमांडर नाम दिया गया है। होटलों में मल्टी एजेंसियों की अलग-अलग तरह की सुरक्षा रहेगी, जिससे किसी भी तरह के हमले को रोका जा सके। सभी दूतावासों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। क्योंकि बड़ी संख्या में विभिन्न देशों के मंत्री आदि दूतावास में भी ठहर सकते हैं। चाणक्यपुरी व धौलाकुआं इलाके की सुरक्षा भी बेहद कड़ी कर दी गई है क्योंकि इन इलाकों में अधिकतर दूतावास हैं।

सेना-पुलिस और अर्ध सैनिक बलों का चल रहा संयुक्त अभ्यास

होटल ली मेरिडियन की छत पर हेलीकाप्टर की लैंडिंग और टेक-आफ का अभ्यास करने के पीछे उद्देश्य यह है कि बंधक या अन्य आपात स्थिति में वहां ठहरे लोगों को आसानी से निकाला जा सके। सुरक्षा तैयारियों की जांच करने के मकसद से प्रगति मैदान, एयरोसिटी, रायसीना रोड और अन्य प्रमुख स्थानों पर दिल्ली पुलिस, भारतीय वायु सेना और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों का संयुक्त अभ्यास चल रहा है। ली मेरिडियन के अलावा, हयात, द लोधी, शेरेटन, द ललित, द इंपीरियल, द क्लेरिजेस, होटल शांगरी-ला, द लीला पैलेस, द ओबेराय, द ग्रैंड, रेडिसन ब्लू, आइटीसी मौर्य, ताज पैलेस और ताज महल होटल में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

राजधानी दिल्ली फिर शर्मसार: 85 साल की बुजुर्ग के साथ दुष्कर्म, स्वाति मालीवाल बोलीं- घाव देख कांप गई रूह

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों जी-20 समिट को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद है। इसके बाद भी यहां इंसानियत को तार-तार कर देने वाला मामला सामने आया है।

दिल्ली के शकरपुर इलाके में झग्गी में घुसकर 85 साल की बुजुर्ग महिला के साथ दरिंदगी की गई है। दिल्ली महिला आयोग की प्रमुख स्वाति मालीवाल ने घटना को लेकर ट्वीट किया है। साथ ही उन्होंने पुलिस को नोटिस जारी करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

स्वाति मालीवाल ने अपने ट्विटर (एक्स) अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा, %आज दिल्ली में इंसानियत तार-तार हो गई। शकरपुर में सुबह चार बजे 85 साल की अम्मा के साथ उनकी झुग्गी में घुसकर दुष्कर्म

किया गया। उनसे मिलके घाव देखकर रूह कांप गई। 8 महीने की बच्ची या 85 साल की अम्मा, सब हैवानियत के शिकार हैं। उन्होंने कहा है कि पुलिस को नोटिस जारी कर गिरफ्तारी की मांग रखी है'।

हमारा सिस्टम बिल्कुल फेल: स्वाति मालीवाल

स्वाति मालीवाल ने आगे लिखा है, अम्मा के आंसू नहीं रुक रहे थे। हमारा सिस्टम बिलकुल फेल है। कोई सुरक्षित नहीं है। आज ये अम्मा हैं, कल आप, मैं कोई भी हो सकता है। बेशर्मी की सारी हदें पार हो गईं।

दरिंदे ने ब्लेड से होंठ काटा- स्वाति

स्वाति ने कहा कि 85 साल की दादी को मिलके सकपका गई हूं।

उन्हें बहुत चोटें आयी हैं और बहुत दर्द है। ब्लेड से ज़ालिम ने उनका होंठ तक काटा है। शरीर के सब अंग पे चोटें हैं। अंदरूनी भी बहुत चोट आई हैं। कोई ये घिनौना काम कैसे कर सकता है? कैसे समाज में जीते हैं हम? ऐसे आदमी के ख़िलाफ़ कोई भी सज़ा कम है।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट 2.0 से ध्यान भटकाने वाली डिबेट 'वन नेशन वन इलेक्शन' :आप मंत्री

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर केंद्र के कदम का विरोध करते हुए कहा कि यह सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट 2.0 के असली मुद्दे से ध्यान

भटकाने का तरीका है। मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि यह हिंडनबर्ग रिपोर्ट 2.0 के वास्तविक मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए सिर्फ एक डिबेट है। भारद्वाज ने कहा, केंद्र सरकार इंडिया ब्लॉक की बढ़ती लोकप्रियता और पदचिह्नों से डरी हुई है और इस सत्र में समय से पहले चुनाव कराने पर जोर दे सकती है। केंद्र की बीजेपी सरकार अपने 'वन नेशन वन इलेक्शन' एजेंडे के साथ एक कदम और आगे बढ़ने जा रही है। सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

दिवाली पर पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, नियामक संस्थाओं से मांगे जवाब; 13 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली। दीपावली के करीब दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर केंद्र सरकार और नियामक संस्थाओं जैसे पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी (पेसो) से जवाब तलब करते हुए पूछा है कि वह देशभर में प्रदूषणकारी पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के प्रोटोकाल को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

समाचार एजेंसी खबर के मुताबिक, सर्वोच्च अदालत ने कहा कि अगर नियमों को लागू नहीं किया जाता है तो वह मजाक बनकर रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगली सुनवाई 13 सितंबर को करेगा। जस्टिस एएस बोपन्ना और एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने गुरुवार को केंद्र सरकार और नियामक संस्थाओं की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्य भाटी से कहा कि वह प्रतिबंधित पटाखों पर पूर्ण रोक लागू किए जाने के संबंध में अब तक उठाए गए कदमों का ब्योरा दें। यह मामला मजाक बनकर रह जाएगा

अगर कोई ऐसी व्यवस्था न हो कि निर्माताओं और विक्रेताओं को दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए विवश न कर दिया जाए। कुछ पटाखा निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने कहा कि विशेषज्ञ निकायों जैसे पीसो, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और नेशनल इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) ने ग्रीन पटाखों के मुद्दे पर ठोस कदम उठाए हैं और अब केवल क्वालिटी कंट्रोल के मुद्दे को सुलझाना रह गया है। विशेषज्ञ संस्थाओं ने दिशानिर्देश जारी किए हैं और प्रदूषणरहित पटाखों के रासायनिक फार्मूले को भी जारी किया है। और अब पीसो को उत्पादन और बिक्री की निगरानी की अनुमति दी जाएगी। बेरियम साल्ट के मुद्दे पर वरिष्ठ वकील ने कहा कि विश्वभर में पटाखे बनाने में इसका उपयोग होता है और भारत में भी पटाखा निर्माता इसके इस्तेमाल को लेकर सहमत हो गए हैं। वह इसकी प्रभावी निगरानी के लिए तमिलनाडु के शिवाकाशी में एक लैब बनाने पर भी सहमत हैं।

एक अन्य वकील ने कहा कि इस व्यवसाय से आठ लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। पीसो जैसे संस्थान ने ग्रीन पटाखों के संबंध में कई कदम उठाए हैं। इस पर खंडपीठ ने एडीशनल सालिसिटर जनरल से पूछा कि वह नियामक प्रोटोकाल के पालन के लिए अब तक उठाए गए कदमों का ब्योरा दें।

दिल्ली में जी20 के लिए व्यवस्था के प्रयासों का उपराज्यपाल कर रहे नेतृत्व: केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) अपने मंत्रियों के साथ जी20 मेहमानों के स्वागत की व्यवस्था करने के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, जी20 मेहमानों के स्वागत के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं। सभी मंत्री खुद मैदान पर हैं। माननीय एलजी खुद प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। दोनों के बीच कटु संबंधों और कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हालिया विवाद को देखते हुए केजरीवाल की पोस्ट एक आश्चर्य के रूप में सामने आई है। जी20 शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर को होने वाला है।

दिल्ली सरकार ने जी-20 के मद्देनजर दिल्ली को हरा-भरा करने के लिए अब तक लगाए 36 लाख पौधे

नई दिल्ली। दिल्ली के वन एवं पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर कहा कि जी-20 सम्मलेन से पहले दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली को हरा भरा करने के लिए इस साल 36 लाख से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं। इस साल 52 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 21 विभागों की हरित एजेंसियो द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है और अबतक 70 प्रतिशत वृक्षारोपण का लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। दिल्ली को हरा-भरा करने के लिए वन विभाग द्वारा गमले वाले पौधे दिल्ली के विभिन्न सड़कों पर लगाए जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा दिल्ली की सड़कों को 2.5 लाख गमले, फूल / पत्ते वाले पौधों से सजाया जा रहा हैं। इसमें से 1 लाख 80 हज़ार गमले दिल्ली के अलग अलग सड़कों पर लगाए जा चुके हैं, बाकी गमलों में फूल वाले पौधे सितंबर के पहले सप्ताह में लगा दिए जायेंगे, ताकि जी-20 शिखर

सम्मेलन के दौरान पौधे पूरी तरह खिल सकें।

गोपाल राय ने बताया कि वन विभाग द्वारा दिल्ली के धौलाकुआं से मेहराम नगर, मेहराम नगर से एयरपोर्ट के टेक्निकल एरिया, टेक्निकल एरिया से थीमाया सड़क/परेड सड़क, भैरों मार्ग, भैरों मार्ग से दिल्ली गेट, दिल्ली गेट से राजघाट, राजघाट से आईटीओ से भैरों मार्ग आदि। इसके अलावा गमले एनडीएमसी, पीडब्ल्यूडी और दिल्ली हाट को सजा दिए गए है। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फूल वाले पौधे भी सड़कों पर लगाए जा रहे है। इसमें मेरीगोल्ड,जाफरी, विंका, इक्सोरा, मउसानदा, कुल्फ़ा, पोर्टुलका, टेकोमा, चांदनी, हिबिसकस, जास्मिन आदि शामिल हैं। साथ ही वन विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के पत्तेदार पौधे भी लगाए जा रहे है। उसमे ऐरेका पाम, रफीस पाम, फायकस पांडा, फायकस बेंजमिना, टपिओका, सांग ऑफ़ इंडिया, कोचीए, मौलश्री, फन पाम, सिंगोनियम आदि शामिल हैं। आगे गोपाल राय ने बताया कि वन विभाग का काम सिर्फ गमले रखवाना ही नहीं है, बल्कि उनमें लगे पौधों और फूलों को तरोताज़ा भी बनाए रखना है। इसके लिए सभी संभव उपाय किए जा रहे हैं और गमलों को कोई क्षति न पहुंचे, इसका भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। गमलों के रखरखाव और उसके प्लेसमेंट की निगरानी के लिए 300 अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों को लगाया गया हैं।

वन मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से उठाए गए तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इजाफा देखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दो मतदाताओं की हत्या मामले में राजद सांसद प्रभु नाथ सिंह को दी उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को 1995 में उनके खिलाफ बिहार के छपरा में मतदान करने के कारण एक मतदान केंद्र के पास दो लोगों की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दोषी ठहराते हुए शुक्रवार को उम्रकैद की सजा सुनाई।

न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की पीठ ने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और घायलों को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

पीठ ने सजा सुनाने के बाद कहा, 'हमने ऐसा पहले कभी नहीं देखा।' पीठ ने दोषी पूर्व सांसद सिंह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी और आर बसंत की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'एकमात्र विकल्प आजीवन कारावास या मौत की सजा है।' पीठ के समक्ष सिंह के अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सजा के फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका दायर की है।

इस पर पीठ ने कहा कि उनकी याचिका पर नियमानुसार उचित समय पर चैंबर में विचार किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने पटना उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर यह फैसला सुनाया। पीड़ित के परिवार के सदस्य हरेंद्र राय ने 02 दिसंबर 2021 के उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील की थी, जिसने निचली अदालत के 24 अक्टूबर 2008 के फैसले को बरकरार रखा था। निचली अदालत ने सिंह और छह अन्य को 18 वर्षीय राजेंद्र राय और 47 साल के दरोगा राय की हत्या से संबंधित सभी आरोपों से बरी कर दिया गया था।

गौरतलब है कि पूर्व सांसद सिंह पहले से ही एक अन्य हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

सितंबर में छठा राष्ट्रीय पोषण माह

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय सितंबर में देशभर में छठा राष्ट्रीय पोषण माह मनायेगा।

मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि एक महीने तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विशेष स्तनपान और पूरक आहार के प्रमुख विषयों पर ध्यान केंद्रित करने वाले अभियानों के माध्यम से जमीनी स्तर पर पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए देश भर में केंद्रित प्रयास किए जाएंगे। स्वस्थ बालक प्रतिस्पर्धा (स्वस्थ बाल प्रतियोगिता) जैसी गतिविधियों का उद्देश्य पोषण और समग्र कल्याण के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना है। पोषण भी पढाई भी - पोषण के साथ-साथ शिक्षा , मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के माध्यम से पोषण में सुधार, जनजातीय-केंद्रित पोषण संवेदीकरण, और परीक्षण, उपचार, बातचीत के माध्यम से एनीमिया को संबोधित करना शामिल होगा। इसके अतिरिक्त, पोषण माह के तहत जन आंदोलन आंदोलन %मेरी माटी मेरा देश% के तहत एकजुट उत्सव के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। मंत्रालय के अनुसार समग्र पोषण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समुदाय के विभिन्न वर्गों को शामिल करते हुए, गांव, ब्लॉक और जिला स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम, पहचान अभियान, शिविर और घरेलू दौरे आयोजित किए जाएंगे। व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तरों पर पोषण संबंधी व्यवहार को प्रोत्साहित करना अभियान के लक्ष्यों को साकार करने में एक महत्वपूर्ण घटक है। मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के माध्यम से इस उद्देश्य को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए, एक से 30 सितंबर तक सभी के सहयोग से राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जाएगा। अभियान की शुरुआत के बाद से, देश भर में पांच सफल पोषण माह कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

Ministry of Women and Child Development
Government of India

खबर दृष्टिकोण स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210